लखनऊ

शुक्रवार, 5 जून, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 279

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

यह जो मां की मोहब्बत होती हैं ना, यह सब मोहब्बतों की "मां" होती हैं।

TODAY WEATHER

DAY 42° Hi

NIGHT 29° Low

पीएम मोदी ने किया प्रथम विश्व योगासन चैंपियनशिप का शुभारंभ, अहमदाबाद में 4 से 8 जून तक होगा आयोजन

अहमदाबाद, एजेंसी। अहमदाबाद में 4 जून से 8 जून तक प्रथम विश्व योगासन चैंपियनशिप का आयोजन हो रहा है। गुरुवार की शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से आधिकारिक तौर पर प्रथम विश्व योगासन चैंपियनशिप-2026 के शुरुआत की घोषणा की। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, अहमदाबाद की धरती से विश्व की खेल विरासत में एक और नया अध्याय जुड़ रहा है। पहली विश्व योगासन चैंपियनशिप शुरू हो रही है। मैं इस चैंपियनशिप में हिस्सा लेने भारत आए सभी प्रतिभागियों का स्वागत करता हूं। अपनी शुभकामना देता हूं। अहमदाबाद यूनेस्को विश्व हेरिटेज सिटी है। भारत के इस ऐतिहासिक शहर

में ये आयोजन गर्व की बात है। उन्होंने कहा, 21 जून को विश्व योगा दिवस मनाया जाएगा। इस दिन दुनिया के अलग-अलग देशों में योग से जुड़े कार्यक्रम होंगे। इस बार मुख्य कार्यक्रम भारत के एक और ऐतिहासिक शहर कोलकाता में होगा। विश्व योगा दिवस से पहले विश्व योगासन चैंपियनशिप हेल्थ और वेलनेस की डबल डोज की तरह है।

पीएम ने कहा, 'एक दशक पहले भारत संयुक्त राष्ट्र में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का प्रस्ताव लेकर गया था। हम प्राचीन भारतीय परंपरा को पूरी मानवता के स्वास्थ्य और सामूहिक कल्याण से जोड़ना चाहते थे। यूएन में 190 देशों ने भारत के इस प्रस्ताव का समर्थन किया था। यह देखकर खुशी होती है कि करोड़ों लोग योग को अब अपने जीवन का हिस्सा बना चुके हैं। ध्यान, प्राणायाम उनकी जीवनशैली का हिस्सा बन रहा है।' पीएम मोदी ने कहा, हर जीवन परंपरा समय के साथ नए चरण में प्रवेश करती है। योगासन की यह विश्व चैंपियनशिप इसी चरण का शुभारंभ है। इस चैंपियनशिप के माध्यम से योगासन को एक प्रतियोगी खेल के रूप में नई पहचान मिलेगी। मुझे विश्वास है कि भविष्य में योगासन भी अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में अपनी जगह बनाएगा। ओलंपिक या कोई भी बहुखेल प्रतियोगिता हो। हम जितनी मेहनत करेंगे, उतना सुखद परिणाम आ सकता है। अहमदाबाद में होने जा रही पहली विश्व योगासन चैंपियनशिप की भूमिका अहम होगी।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने योगा 365 शुरू किया

उन्होंने कहा, खेल के रूप में योगासन का एक और पक्ष है। हम जानते हैं कि हर बड़ा खेल अपने साथ एक पूरा इकोसिस्टम लेकर आता है। रोजगार के नए अवसर पैदा करता है, इसलिए योगासन का खेल के रूप में विस्तार होगा, वैसे-वैसे इससे जुड़ी संभावनाएं बढ़ेंगी। खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, खेल वैज्ञानिकों, शोधार्थियों और इवेंट प्रबंधकों के लिए भी यह नए अवसर लेकर आएगा।

पीएम मोदी ने कहा, ये चैंपियनशिप ऐसे समय में आयोजित हो रही है, जब पूरी दुनिया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी में जुटी हुई है। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योगा दिवस की थीम 'योगा फॉर हेल्दी एजिंग' है।₹उन्होंने कहा, ₹लोग ऐसे उपायों की तलाश में हैं जो उन्हें लंबे समय तक स्वस्थ और सक्रिय बनाए रखे। योग इसका सर्वश्रेष्ठ विकल्प है। योग भोग से भी मुक्ति देता है और रोग से भी मुक्ति देता है। सबसे अहम यह है कि न्यूनतम बजट में ऊच्च जीवनशैली का यह सर्वोत्तम उपाय है। इसलिए सभी को यह मंत्र याद रखना है कि 'हर रोज योग, भगाएगा सब रोग'।

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने योगा 365 शुरू किया है। मैं इस विश्व योगासन चैंपियनशिप में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों से भी आग्रह करूंगा। जब आप अपने देशों में लौटें तो योग के संदेश को साथ लेकर लौटें। आप सभी अपने देशों में 'योगा 365' के दूत बन सकते हैं। आपका अनुभव और आपका विश्वास पूरे विश्व को इस संदेश से जोड़ सकता है।

उन्होंने कहा, 'इस प्रतियोगिता में जीत चाहे जिसकी भी हो, आप सभी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर पहले ही चैंपियन बन चुके हैं। आपकी प्रतिभा, आपका अनुशासन दुनियाभर के युवाओं को प्रेरित करेगा। इन्हीं शुभकामनाओं के साथ मैं सभी प्रतिभागियों और आयोजकों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।' प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के अंत में प्रथम विश्व योगासन चैंपियनशिप 2026 अहमदाबाद ओपन के आरंभ की घोषणा की।

संक्षेप

भांगर बम विस्फोट मामले में एनआईए का एक्शन, टीएमसी नेता से जुड़े 9 ठिकानों पर छापेमारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के भांगर में चुनावी हिंसा के दौरान हुए विस्फोट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व तृणमूल कांग्रेस विधायक शौकत मुल्ला के आवास पर छापेमारी की है। जांच एजेंसी ने मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं की पड़ताल के लिए एक साथ कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। सूत्रों के अनुसार, एनआईए की टीमें विस्फोट के पीछे सक्रिय कथित नेटवर्क की जांच के तहत कुल नौ ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं। एजेंसी संदिग्धों के घरों और अन्य स्थानों से दस्तावेजों तथा डिजिटल साक्ष्यों को खंगाल रही है, ताकि मामले से जुड़े तथ्यों और संभावित कड़ियों का पता लगाया जा सके। गौरतलब है कि 19 मार्च को भांगर इलाके में हुए बम विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य घायल हो गए थे। जांच एजेंसी इस घटना को चुनावी हिंसा से जोड़कर देख रही है और संभावित साजिश की सभी पहलुओं से जांच कर रही है। इसी सिलसिले में एनआईए ने बुधवार को शौकत मुल्ला के आवास पर भी तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों को उम्मीद है कि इस कार्रवाई से मामले में महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आ सकती हैं। छापेमारी के बीच शौकत मुल्ला की पत्नी सायरा बानू मुल्ला का बयान भी सामने आया है। उन्होंने कहा कि उन्हें एनआईए की ओर से बुलाया गया था, लेकिन इसके अलावा उन्हें कोई अन्य जानकारी नहीं दी गई। एनआईए की इस कार्रवाई के बाद राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। शौकत मुल्ला तृणमूल कांग्रेस के पूर्व विधायक रह चुके हैं और भांगर क्षेत्र लंबे समय से राजनीतिक हिंसा की घटनाओं को लेकर चर्चा में रहा है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और एनआईए सभी संभावित पहलुओं की गहन पड़ताल कर रही है।

ममता बनर्जी को बड़ा झटका, बागी विधायकों ने बनाई नई राह, ऋतब्रत बनर्जी चुने गए विधायक दल के नेता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति से इस वक्त की सबसे बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उनके ही घर में एक बहुत बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। तृणमूल कांग्रेस से टूटकर अलग हुए बागी विधायकों ने एक बड़ा कदम उठाते हुए ऋतब्रत बनर्जी को अपने नए विधायक दल का नेता चुन लिया है। इस बड़े फेरबदल के बाद ऋतब्रत बनर्जी ने एक आधिकारिक बयान जारी कर टीएमसी नेतृत्व की चिंताएं बढ़ा दी हैं। विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) ने भी बागी गुट की इस मांग को स्वीकार करते हुए उन्हें अलग विधायक दल का दर्जा दे दिया है, जिससे बंगाल की सियासत में भारी खलबली मच गई है। बागी गुट के नेता चुने जाने के बाद ऋतब्रत बनर्जी ने अपनी ताकत का दावा करते हुए कहा कि वर्तमान में उनके तृणमूल विधायक दल के पास 58 विधायकों की एक मजबूत टीम है, जिन्होंने टीएमसी के चुनाव चिह्न पर जीत हासिल की थी। उन्होंने आगे दावा किया कि आने वाले दिनों में दो और विधायक भी उनके खेमे में शामिल हो सकते हैं। ऋतब्रत बनर्जी ने नई टीम के पदाधिकारियों की घोषणा करते हुए बताया कि जावेद खान, संदीपन साहा, सबीना यास्मीन और शिउली साहा इस नए तृणमूल कांग्रेस विधायक दल के उपनेता होंगे।

'अदालत मामलों के निपटारे की समय सीमा तय नहीं करेगी'

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को उस याचिका पर सुनवाई करने से मना कर दिया जिसमें मुकदमों को तय समय में निपटाने के लिए नियम बनाने की मांग की गई थी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने एक वकील की इस अर्जी को खारिज कर दिया। याचिका में देशभर की अदालतों में बार-बार मिलने वाली तारीखों (स्थगन) को रोकने के लिए कड़े और एक समान नियम बनाने का आग्रह किया गया था।

याचिकाकर्ता ने सभी अदालतों के लिए एक 'नेशनल केस फ्लो मैनेजमेंट पॉलिसी' लागू करने की मांग भी की थी। इसमें मुकदमों के हर चरण के लिए समय सीमा तय करने, जरूरत पड़ने पर रोजाना सुनवाई करने और पुराने लंबित मामलों को प्राथमिकता से निपटाने का सुझाव दिया गया था। सुनवाई के दौरान बेंच ने याचिकाकर्ता से कहा कि वे इस मामले को लेकर बार काउंसिल ऑफ इंडिया, स्टेट बार काउंसिल और विभिन्न बार एसोसिएशनों के पास जाएं। अदालत ने हल्के-फुल्के अंदाज में टिप्पणी की कि वे वकीलों से दुश्मनी नहीं लेना चाहते क्योंकि हम वकीलों के दोस्त हैं।

हादसे के 26 घंटे बाद अस्पताल पहुंचीं सीएम रेखा, घायलों से की मुलाकात... मुआवजे का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को मालवीय नगर अग्निकांड के पीड़ितों से मुलाकात की। हादसे के करीब 26 घंटे बाद वह इस घटना में घायल हुए लोगों से मिलने मैक्स अस्पताल पहुंचीं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने घायलों और उनके परिवार के सदस्यों से बातचीत की। डॉक्टरों के साथ चल रहे इलाज की समीक्षा की और अधिकारियों को सभी आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। रेखा गुप्ता ने पीड़ितों के लिए मुआवजे का ऐलान भी किया। मृतक के परिजनों को 10-10 लाख जबकि घायलों को 5-5 लाख रुपये की मदद की जाएगी।

घायलों के चिकित्सा खर्च की व्यवस्था अस्पताल प्रशासन के समन्वय से की जाएगी, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि प्रत्येक मरीज को सर्वोत्तम संभव देखभाल मिले।

मृतकों के पार्थिव शरीर को उनके पैतृक घरों तक पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है। दिल्ली सरकार का कहना है कि सरकार हर प्रभावित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने और इस कठिन समय में शोक संतप्त परिवारों को संबल मिलने की प्रार्थना करते हैं। बता दें कि इस हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई जबकि कई लोग घायल हो गए।

हादसे में 21 लोगों की मौत

मालवीय नगर अग्निकांड में 21 लोगों की मौत हो गई जबकि कई घायल हो गए। हादसे के बाद पता चला कि उस होटल के पास छह रूम ही ही इजाजत थी लेकिन उसमें 20-25 कमरे बने थे। पुरानी स्कीम के तहत मकान मालिक एक-छह यानी 10-12 बेड तक के लिए ही लाइसेंस ले सकता था। मगर मालवीय नगर के लेमन ग्रीन रेस्टोरेंट और होटल फ्लोरिस स्टे में 25 कमरे थे।

अल नीनो के खतरे को देख केंद्र सरकार सख्त, बनाया एक्शन प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार अल नीनो के संभावित खतरों और मानसून पर इसके प्रतिकूल असर से निपटने के लिए पूरी तरह अलर्ट मोड में है। सरकार ने कमर कस ली है। कंटीजेंसी प्लान के साथ क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप और फसलों और मौसम की निगरानी के लिए ग्रुप बनाए हैं।

मानसून की बारिश में कमी का अनुमान की वजह अल नीनो है जिसके चलते सरकार ने क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप बनाए हैं। इसमें आपदा प्रबंधन और राज्यों के अधिकारी शामिल किया गया है। मौसम, फसलों की निगरानी के लिए वेदर वाच ग्रुप हैं जो हर हफ्ते मुलाकात करके हालात पर निगरानी करके रिपोर्ट तैयार करेंगे। इसके साथ ही मौसम, बुवाई, बीजों की उपलब्धता, जलाशयों में पानी की उपलब्धता की निगरानी भी की जा रही है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हाल ही में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठकें कर राज्यों को जिला-स्तरीय आकस्मिक योजनाएं तुरंत लागू करने के निर्देश दिए थे। यह निर्देश भारतीय मौसम विज्ञान विभाग और विश्व मौसम विज्ञान संगठन द्वारा मानसून के प्रभावित (बारिश कम होने) होने की आशंका के बाद जारी किए गए और फिर केंद्र, राज्य सरकारों ने विभिन्न रणनीतियों पर काम करना शुरू किया।

देश के 240 से ज्यादा जिलों के लिए कंटीजेंसी प्लान लागू किया गया है। नेशनल बीज रिजर्व में अतिरिक्त रिजर्व रखने के निर्देश गए हैं। साथ ही किसानों को समय, समय पर मिलेगी मानसून की जानकारी दी जाएगी और सूखा री-साइलेंट फसलों की खेती की सलाह भी दी गई है।

राहुल गांधी का उत्तराखंड दौरा रद, फोन से संबोधन, बोले– 'नरेंद्र मोदी का कंट्रोल डोनाल्ड ट्रंप'

अल्मोड़ा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का अल्मोड़ा का दौरा रद हो गया है। मौसम खराब होने के कारण अल्मोड़ा में उनका हेलीकॉप्टर लैंड नहीं हो पाया और पंतनगर लौट गए। राहुल गांधी ने मोबाइल से जनता को संबोधित किया। प्रदेश प्रभारी सैलजा ने माइक पर मोबाइल लगाया। राहुल गांधी ने कहा कि पंतनगर में मौसम खराब होने के कारण वापस लौटना पड़ा। जल्द दोबारा आऊंगा। प्रदेश प्रभारी सैलजा ने राहुल गांधी के कार्यक्रम रद होने की विधिवत घोषणा की।

राहुल गांधी ने कहा प्रदेश जब बना था उसका विजन था आपका भविष्य आपके हाथ में हो। आज उत्तराखंड को आप नहीं चलाते। रिमोट कंट्रोल से दिल्ली चला रही है। आपके प्राकृतिक संसाधन लूटे जा रहे हैं। नरेंद्र मोदी,

अमित शाह ने देश का आर्थिक आधार तोड़ दिया है। नोट बंदी कर आपके घरों में जमा पैसा आपसे छीन लिया।

छोटे व्यवसायों को खत्म कर दिया। नरेंद्र मोदी ने गलत जीएसटी से खत्म कर दिया। विदेश नीति अमेरिका को सरेंडर कर दिया है। वहीं से तेल खरीद सकते हैं। जहां से अमेरिका कहता है। कृषि, शिक्षा का सिस्टम बीजेपी सरकार ने खत्म कर दिया। आज युद्ध से आर्थिक सुनामी आ गई है। नरेंद्र मोदी का कंट्रोल डोनाल्ड ट्रंप है।

नरेंद्र मोदी देश के लिए नहीं अमेरिका और अरबपतियों के लिए काम करते हैं। राहुल गांधी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बब्बर शेर कहा। अंत में उन्होंने कहा- जल्दी फिर आऊंगा। और भाषण समाप्त कर दिया।

पेट्रोल-डीजल का खर्च कम करने की तैयारी: 2027 तक देशभर में फैल जाएगा इथेनॉल नेटवर्क

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में ऑटोमोबाइल और ईंधन क्षेत्र तेजी से बदलाव के दौर से गुजर रहा है। इस दिशा में केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने देशभर में करीब 5,200 इथेनॉल डिस्पेंसिंग स्टेशनों का नेटवर्क तैयार करने की घोषणा की है। यह कदम पेट्रोल पर निर्भरता घटाने, स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देने और फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों के इस्तेमाल को बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है। सरकार का मानना है कि इससे न केवल हरित परिवहन को बढ़ावा मिलेगा। बल्कि गन्ना और अन्य कृषि उत्पादों से जुड़े किसानों को भी नया बाजार मिलेगा। जिससे उनकी आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस योजना के तहत पहले चरण में दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, पुणे और नागपुर जैसे प्रमुख शहरों में इथेनॉल डिस्पेंसिंग स्टेशनों का नेटवर्क तेजी से विकसित किया जाएगा।

नीट अभ्यर्थी की मौत पर ममता बनर्जी का केंद्र पर हमला, बोलीं– युवाओं से विश्वासघात कर रही है सरकार

कोलकाता, एजेंसी। टीएमसी नेता ममता बनर्जी ने एक नीट (NEET) अभ्यर्थी की मौत पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए केंद्र सरकार की शिक्षा व्यवस्था पर तीखा हमला बोला है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी अपने बयान में ममता बनर्जी ने कहा कि देश ने एक ऐसे युवा जीवन को खो दिया है, जिसके भीतर सपनों का एक पूरा संसार बसता था। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि एक सपना भले ही बुझ गया हो, लेकिन उसका दर्द परिवार के साथ हमेशा रहेगा।

मुख्यमंत्री ने इस घटना को कोई अकेली त्रासदी मानने से इनकार करते हुए कहा कि यह भाजपा शासन में देश की शिक्षा व्यवस्था में बढ़ती अनिश्चितता का गंभीर उदाहरण है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रश्नपत्र लीक,

बार-बार सामने आने वाली अनियमितताओं और प्रशासनिक विफलताओं ने छात्रों की मेहनत और प्रतिभा को दांव पर लगा दिया है।

ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र सरकार ने योग्यता को एक जुए और उम्मीद को निराशा में बदल दिया है। उन्होंने भाजपा सरकार पर युवाओं के साथ लगातार विश्वासघात करने का आरोप लगाते हुए कहा कि मौजूदा व्यवस्था देश के छात्रों और युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने में विफल रही है।

सीबीएसई की तीन भाषा की नीति पर बवाल, जयराम रमेश बोले– शिक्षा मंत्रालय चला रहा राजनीतिक एजेंडा

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने गुरुवार को कक्षा 9 और 10 में सीबीएसई द्वारा तीन-भाषा फॉर्मूला लागू किए जाने को लेकर केंद्र सरकार पर राजनीतिक एजेंडा चलाने का आरोप लगाया। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि इस फैसले के पीछे कोई शैक्षणिक आधार नहीं है और यह पूरी तरह राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधते हुए उनके इस्तीफे की मांग की।

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि दिसंबर 2025 में सीबीएसई की गवर्निंग बॉडी की बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि एनसीईआरटी द्वारा विभिन्न भाषाओं की कक्षा-वार पाठ्यपुस्तकें जारी होने तक मौजूदा भाषा व्यवस्था जारी रखी जाएगी।

इस फैसले पर उस समय के सीबीएसई अध्यक्ष और सचिव ने भी हस्ताक्षर किए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बावजूद मई 2026 में सीबीएसई ने एक सर्कुलर जारी कर 1 जुलाई 2026 से कक्षा 9 और 10 में तीसरी भाषा अनिवार्य रूप से जोड़ने का निर्देश दिया। साथ ही स्कूलों को कक्षा 9 के छात्रों को तीसरी भाषा पढ़ाने के लिए एनसीईआरटी की कक्षा 6 की किताबों का उपयोग करने को कहा गया।

सीबीएसई ने सिफारिशों को किया दरकिनार

कांग्रेस नेता ने सवाल उठाया कि पिछले छह महीनों में ऐसा क्या बदल गया? एनसीईआरटी ने अब तक कक्षा 9 और 10 के लिए तीसरी भाषा की नई पाठ्यपुस्तकें जारी नहीं की हैं। उन्होंने कहा कि सीबीएसई ने अपनी ही पाठ्यक्रम समिति और गवर्निंग बॉडी की सिफारिशों को दरकिनार कर यू-टर्न लिया है। रमेश ने कहा कि इस फैसले से स्कूलों की शैक्षणिक योजनाएं प्रभावित हो रही हैं और लाखों छात्रों के भविष्य पर असर पड़ सकता है। उनके अनुसार, शिक्षा मंत्रालय और सीबीएसई जैसे स्वायत्त संस्थान शिक्षा विशेषज्ञों की सलाह के बजाय सरकार के राजनीतिक एजेंडे के आधार पर काम कर रहे हैं।

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की

उन्होंने कहा कि जब जवाबदेही तय करने की बात आती है तो अधिकारियों का तबादला कर दिया जाता है, जबकि राजनीतिक नेतृत्व को बचा लिया जाता है। रमेश ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को शैक्षणिक विशेषज्ञता का सम्मान न करने वाला राजनीतिक व्यक्ति बताते हुए उनके इस्तीफे की मांग की। गौरतलब है कि कांग्रेस हाल के दिनों में सीबीएसई के ऑन-स्क्रीन मार्किंग (OSM) विवाद को लेकर भी केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय पर लगातार हमलावर रही है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि कक्षा 12 की उत्तर पुस्तिकाओं के डिजिटल मूल्यांकन में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं। इस विवाद के बाद सीबीएसई अध्यक्ष राहुल सिंह और सचिव हिमांशु गुप्ता का तबादला कर दिया गया है। केंद्र सरकार ने OSM प्रणाली की खरीद प्रक्रिया और उससे जुड़े मामलों की जांच के लिए एक सदस्यीय समिति का गठन किया है। इस समिति की अध्यक्षता क्षमता निर्माण आयोग की अध्यक्ष एस. राधा चौहान करेंगी।

सैन्य ड्रोन के लिए तगड़ी डील करेगा भारत, 20 हजार करोड़ रुपये का होगा सौदा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत इस साल स्वदेशी कंपनियों से 20,000 करोड़ रुपये (करीब 2 अरब डॉलर) से ज्यादा के सैन्य ड्रोन खरीदने की तैयारी में है। अगर ये सौदा पूरा होता है तो यह देश के इतिहास की सबसे बड़ी ड्रोन खरीद होगी। ड्रोन फेडरेशन ऑफ इंडिया (DFI) के सूत्रों के अनुसार, इस खरीद योजना पर तेजी से काम चल रहा है और अगले 18 से 24 महीनों के भीतर ड्रोन की डिलीवरी शुरू हो सकती है। हाल ही में सरकार ने 3,000 करोड़ रुपये के टैक्टिकल ड्रोन ऑर्डर दिए थे, जबकि अगला चरण 20,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक, यह खरीद फास्ट-ट्रैक या आपातकालीन खरीद प्रक्रिया के तहत

की जा सकती है ताकि सेना की तत्काल जरूरतों को जल्दी पूरा किया जा सके। भारत की यह पहल ऐसे समय में सामने आई है जब हाल के सालों में ड्रोन युद्ध का महत्व तेजी से बढ़ा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, रूस-यूक्रेन युद्ध और ईरान-अमेरिका इजराइल युद्ध ने दिखाया है कि कम लागत वाले ड्रोन भी युद्धक्षेत्र में बड़ा असर डाल सकते हैं। यही वजह है कि भारतीय सेना अब बड़े पैमाने पर ड्रोन शामिल करने पर जोर दे रही है।

पहले लड़की के पैर की हड्डी को जोड़ा, पैसे नहीं मिले तो डॉक्टरों ने फिर तोड़ा

आर्यावर्त संवाददाता

मुजफ्फरनगर। "साहब, मेरे सिर पर आदमी का साया नहीं है। मजदूरी करके पेट पालती हूं। मेरी 14 साल की बच्ची मानसिक रूप से बीमार है, उसकी टांग की हड्डी टूट गई थी। सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों ने पहले 25000 रुपये मांगे, जब नहीं दे पाई तो पैर का ऑपरेशन करने से मना कर दिया। डीएम साहब के पैर पकड़कर आदेश कराया तो डॉक्टरों ने चिढ़कर मुझसे 8000 रुपये घूस ली। और जब बाद में चेकअप के लिए गई, तो डॉक्टर ने बेरहमी से जबरन घुटना मोड़ा, खट से आवाज आई और मेरी बच्ची की वो हड्डी फिर तोड़ दी जो डेढ़ महीने पहले जोड़ी गई थी। मेरी मासूम पूरी रात तड़पती रही और डॉक्टर कहते रहे कि इसे घर ले जाओ, यहां कुछ नहीं हुआ।" यह कोई कहानी नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जनपद स्थित जिला कलेक्ट्रेट परिसर में गूंजती एक बेबस

मां की वो सिसकियां हैं, जिसने भी सुनी उसकी रूह कांप उठी। एक लाचार विधवा मां रेशमा, अपनी 14 वर्षीय मानसिक रूप से विक्षिप्त बेटी को गोद में उठाए जिला कलेक्ट्रेट पहुंची थी। उसकी आंखों से बहते आंसू और बच्ची की बेबसी सरकारी स्वास्थ्य सिस्टम की संवेदनहीनता और क्रूरता की गवाही दे रहे थे। मामला जिला अस्पताल के डॉक्टर पर लगा है, जिसने कथित तौर पर इलाज के नाम पर न केवल पैसे ऐंठे, बल्कि क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए बच्ची की ठीक हो रही हड्डी को दोबारा तोड़ दिया। पीड़ित महिला रेशमा मुजफ्फरनगर की रहने वाली है। करीब डेढ़ महीना पहले उसकी 14 साल की मानसिक रूप से अस्वस्थ बेटी का एक्सीडेंट हो गया था, जिससे उसके दाहिने पैर की हड्डी टूट गई थी। गरीबी के कारण रेशमा अपनी बेटी को लेकर जिला सरकारी अस्पताल पहुंची। वहां डॉक्टरों और अस्पताल कर्मियों ने कहा कि ऑपरेशन करना पड़ेगा और इसके लिए 25000 रुपये का खर्च आएगा।

कलेक्टर दफ्तर में इंसाफ की आस, सीएमओ ने कहा- 'जांच करेंगे'

एक बार फिर जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने रेशमा को धमकाकर भगा दिया। कोई रास्ता न देख, रेशमा सोमवार को अपनी उसी टूटी हड्डी वाली तड़पती बेटी को गोद में उठाकर जिला कलेक्ट्रेट पहुंची। वह कलेक्ट्रेट परिसर में बैठकर सिर्फ रो रही थी और आने-जाने वाले अधिकारियों और मीडिया के सामने अपना दर्द बयां कर रही थी। उसने कहा कि उसे डॉक्टरों की प्रताड़ना से बचाया जाए, उसकी बेटी का पैर ठीक कराया जाए और रिश्वतखोर व हैवान बने डॉक्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इस पूरे संवेदनशील मामले को लेकर जब मुजफ्फरनगर के सीएमओ सुनील तेवतिया से बात की गई, तो उन्होंने प्रशासनिक लहजे में जवाब दिया। सीएमओ सुनील तेवतिया ने कहा, "यह बेहद गंभीर मामला है, लेकिन बिना दूसरे पक्ष (अस्पताल और संबंधित डॉक्टरों) का ओपिनियन जाने या उनका पक्ष सुने अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। हम इस पूरे मामले की गहनता से जांच कराएंगे। इसके लिए एक जांच टीम गठित की जा रही है। अगर जांच में किसी भी स्तर पर डॉक्टरों या स्टाफ की लापरवाही या अवैध वसूली की पुष्टि होती है, तो दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी और विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।" लेकिन सीएमओ के इस आश्वासन के बीच सवाल यह उठता है कि क्या जांच पूरी होने तक वह मासूम बच्ची इसी तरह टूटे पैर और असहनीय दर्द के साथ जीने को मजबूर रहेगी? एक मां जिसने अपने आत्मसम्मान को ताक पर रखकर, कर्ज लेकर अपनी बेटी का पैर जुड़वाया था, आज वह डॉक्टरों की क्रूरता के कारण फिर से उसी मोड़ पर खड़ी है। मुजफ्फरनगर का यह मामला सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के दावों और डॉक्टरों को भगवान कहे जाने वाले मुहावरे पर एक बड़ा और गहरा दाग है।

डॉक्टरों ने कहा- 'पागल लड़की मर भी गई तो क्या?'

जब सरकारी अस्पताल से कोई उम्मीद नहीं बची, तो रेशमा न्याय की गुहार लेकर जिलाधिकारी (डीएम) के दरबार में पहुंची। डीएम साहब ने महिला की लाचारी और बच्ची की हालत देखकर तुरंत मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) को फोन लगाया और सख्त आदेश दिए कि बच्ची का ऑपरेशन पूरी तरह मुफ्त किया जाए। लेकिन यह आदेश जिला अस्पताल के डॉक्टरों को नागवार गुजरा। रेशमा का आरोप है कि डीएम दफ्तर से लौटते ही अस्पताल के सभी डॉक्टर एक हो गए। वे रेशमा पर भड़क गए और बोले, "तुम डीएम के पास क्यों गईं? क्या डीएम यहां आकर ऑपरेशन करेंगे? अब हम तुम्हारी लड़की का इलाज नहीं करेंगे।" डॉक्टरों की संवेदनहीनता इस कदर बढ़ गई कि उन्होंने यहां तक कह दिया, "लड़की तो पागल (मानसिक बीमार) है, अगर यह मर भी गई तो क्या फर्क पड़ता है?" रेशमा अपनी बेटी को मरते हुए नहीं देख सकती थी। उसने डॉक्टरों के आगे मिन्नतें कीं, पड़ोसियों और जान-पहचान वालों से हाथ फैलाकर जैसे-तैसे 8000 रुपये का इंतजाम किया। उसने डॉक्टरों को 8000 रुपये नकद दिए और हाथ जोड़कर कहा कि बाकी के पैसे वह बाद में दे देगी। तब जाकर डॉक्टरों ने उसकी बेटी के पैर का ऑपरेशन किया।

'खट' से आवाज आई और जुड़ती हुई हड्डी को फिर तोड़ दिया

ऑपरेशन के बाद रेशमा अपनी बेटी को लेकर घर आ गई। डॉक्टरों ने कहा था कि कुछ दिनों बाद बच्ची को चेकअप के लिए लाना होगा ताकि घुटने की एक्सरसाइज कराई जा सके, वरना घुटना जाम हो जाएगा। तय तारीख पर रेशमा अपनी बेटी को लेकर दोबारा जिला अस्पताल पहुंची। उस दिन ड्यूटी पर डॉक्टर चतुर्वेदी थे, जिन्होंने बच्ची का ऑपरेशन किया था। रेशमा का आरोप है कि डॉक्टर चतुर्वेदी और वहां मौजूद स्टाफ ने उनके साथ बेहद बदतमीजी से बात की। मानसिक रूप से बीमार बच्ची डॉक्टरों को देखकर घबरा रही थी, तो उसे जबरन और बेहद बेरहमी से बेड पर लिटाया गया। इसके बाद डॉक्टर ने बच्ची के पैर को इतनी जोर से और जबरन मोड़ा कि बच्ची दर्द से चीख उठी। रेशमा ने बताया, "जब डॉक्टर ने पैर मोड़ा, तो घुटने के नीचे से 'खट' जैसी तेज आवाज आई, जैसे सूखी लकड़ी टूटती है। मेरी बच्ची दर्द से तड़प उठी और चिल्लाने लगी। मैंने घबराकर डॉक्टर से पूछा कि साहब ये कैसी आवाज थी? तो डॉक्टर झल्ला गए और बोले- कुछ नहीं हुआ है, इसे घर ले जाओ, यहां से चलती बनो।"

X-Ray ने खोली डॉक्टरों की हैवानियत की पोल

अस्पताल से भगाए जाने के बाद जब रेशमा बाहर आई, तो उसने देखा कि उसकी बेटी का पैर पूरी तरह से तिरछा हो चुका था। पैर में इतनी भयंकर सूजन आ गई कि वह किसी मोटे खंभे जैसा दिखने लगा। हद तो तब हो गई जब टूटी हुई हड्डी मांस को चीरकर बाहर की तरफ साफ दिखाई देने लगी।

दो बार मंडप में बैठाकर बेचा, गर्भ गिराया... तीसरी बार भी होने जा रहा था सौदा, गोरखपुर की दुल्हन का दर्द जान कांप जाएगी रूह

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से मानव तस्करी और धोखाधड़ी का एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां रुपयों के लालच में एक युवती का दो बार सौदा कर अलग-अलग राज्यों में जबरन उसकी शादी करवा दी गई। हद तो तब हो गई जब आरोपी उसकी तीसरी शादी कराने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन पीड़िता किसी तरह उनके चंगुल से भाग निकली और पुलिस के पास पहुंची।

मामला गोरखपुर के चौरीचौरा थाना क्षेत्र का है। पीड़िता का आरोप है कि गांव के ही तीन लोगों ने उसे बहला-फुसलाकर पहले हरियाणा ले गए। वहां एक युवक से उसकी शादी करा दी। शादी के बाद पति शराब पीकर उसके साथ मारपीट करने लगा। जब पीड़िता ने इसकी शिकायत गांव के उन बिचौलियों से की, तो उन्होंने मदद के बहाने उसे वापस बुला लिया। इसके बाद आरोपियों ने उसकी मर्जी के बिना राजस्थान के एक अन्य युवक से उसकी दूसरी शादी करा दी। पीड़िता को आशंका है कि दोनों बार शादी के नाम पर आरोपियों ने मोटी रकम वसूली थी।

युवती करीब दस महीने तक अपने दूसरे पति के साथ रही और इस दौरान वह गर्भवती भी हो गई। इसी बीच आरोपियों ने उसके दूसरे पति को उसकी पहली शादी और उससे जुड़े अदालती विवाद की बात बताकर भड़का दिया। इसके बाद पीड़िता का जबरन गर्भपात करा दिया गया और उसे घर से बाहर निकाल दिया गया। जब वह बेसहारा होकर वापस उन्हीं बिचौलियों के पास पहुंची, तो उन्होंने मदद करने के बजाय उसकी तीसरी शादी कराने की साजिश रचनी शुरू कर दी।

चंगुल से भागकर एसएसपी से लगाई गुहार

तीसरी शादी की तैयारी की भनक लगते ही युवती किसी तरह अपनी जान बचाकर वहां से भागी और अपने घर पहुंची। उसने गोरखपुर के एसएसपी (SSP) से मिलकर न्याय की गुहार लगाई और आपबीती सुनाई। एसएसपी के आदेश पर चौरीचौरा थाना पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, शोषण और जीवन बर्बाद करने की गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

₹5 लाख के बदले वसूल लिए ₹11 लाख, फिर भी मांग रहे ₹8 लाख, परिवार को जान से मारने की धमकी

सुल्तानपुर। अवैध सूदखोरी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक व्यक्ति को कर्ज के ऐसे जाल में फंसाया गया कि मूलधन से दोगुने से भी ज्यादा रकम चुकाने के बावजूद उसकी मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। सूदखोरी का यह खेल अब खुलेआम गरीब और मजबूर लोगों की जिंदगी तबाह करने लगा है, लेकिन प्रशासन की सख्ती अब तक केवल कागजों तक सीमित दिखाई दे रही है। कोतवाली नगर थाना क्षेत्र के इमिलियाकला निवासी शिवबहादुर यादव ने पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि उन्होंने 18 जनवरी 2022 को सिरवारा रोड निवासी संजय सिंह से 6 प्रतिशत ब्याज पर ₹5 लाख उधार लिए थे। हैरानी की बात यह है कि कर्ज देते समय ही आरोपी ने ₹50 हजार एडवांस ब्याज के नाम पर काट लिए। यानी गरीब आदमी की मजबूरी का सौदा उसी दिन शुरू हो गया था।

सुल्तानपुर में गरजे प्रभारी मंत्री गिरीश चंद्र यादव

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार में खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं सुल्तानपुर के नव नियुक्त प्रभारी मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने गुरुवार को जिले के अपने पहले दौरे पर विपक्ष पर जमकर हमला बोला। भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों द्वारा जोरदार स्वागत के बीच मंत्री यादव ने समाजवादी पार्टी के पीडीए नारे को लेकर तीखा कटाक्ष किया और इसे सामाजिक न्याय नहीं बल्कि परिवार डेवलपमेंट एसोसिएशन करार दिया।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी केवल एक परिवार की राजनीति तक सीमित होकर रह गई है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सैफई खानदान का विकास ही सपा का असली एजेंडा है, जबकि भाजपा सबका साथ-सबका विकास की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब केंद्र और प्रदेश में समाजवादी पार्टी समर्थित सरकारें थीं, तब पिछड़े वर्ग को संवैधानिक अधिकार और सम्मान क्यों नहीं मिला। मंत्री यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ही पिछड़े वर्ग को वास्तविक अधिकार और सम्मान प्राप्त हुआ है। दलित समाज के मुद्दे पर भी प्रभारी मंत्री ने विपक्ष को घेरा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमेशा दलित और वंचित समाज को सम्मान देने का कार्य किया है। मायावती को पहली बार मुख्यमंत्री बनाने में भाजपा की अहम भूमिका रही, जबकि सपा शासनकाल में लखनऊ स्टेट गेस्ट हाउस कांड जैसी घटनाओं ने दलित समाज को अपमानित करने का काम किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर से जुड़े स्थलों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया, वहीं रामनाथ कोविंद और द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाकर दलित और आदिवासी समाज को सर्वोच्च सम्मान देने का कार्य किया। अखिलेश यादव द्वारा प्रदेश के गृह मंत्रालय को अंडरग्राउंड बताए जाने के आरोपों पर भी मंत्री ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि योगी सरकार अपराध और अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। चाहे अपराधी कितना भी बड़ा क्यों न हो, कानून से ऊपर कोई नहीं है। सरकार सख्त कार्रवाई कर रही है और आगे भी करती रहेगी।

समय से पहले चुनाव की तैयारी को लेकर अखिलेश यादव के बयान पर प्रभारी मंत्री ने कहा कि सपा प्रमुख पूरी तरह घबराहट और निराशा में हैं। जनता लगातार भाजपा के साथ खड़ी है, इसलिए विपक्ष बौखलाया हुआ है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह पर भी मंत्री यादव ने कटाक्ष किया।

खेलते हुए 6 महीने के बच्चे ने निगल लिया लौंग, गले में अटका... सांसें रुकने से मौत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अयोध्या। यूपी के अयोध्या जिले के बीकापुर क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां 6 माह के मासूम बच्चे के गले में लौंग फंसने से उसकी मौत हो गई। बच्चे की मौत के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है और पूरे गांव में शोक का माहौल है। परिजनों के अनुसार खेलते समय बच्चे ने लौंग मुंह में डाल ली, जिससे उसकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, तारुन विकासखंड के कुआंडाड़ गांव निवासी सोभनाथ का 6 माह का बेटा आरव घर पर खेल रहा था। परिजनों के मुताबिक, खेलते-खेलते उसने घर में रखी एक लौंग उठाकर मुंह में डाल ली। आशंका है कि लौंग बच्चे के गले में फंस गई, जिससे उसे सांस लेने में गंभीर परेशानी होने लगी और कुछ ही देर में उसकी हालत बिगड़ने लगी।

परिजनों ने बताया कि कुछ ही देर में बच्चे की हालत तेजी से बिगड़ने लगी और सांस नहीं ले पाने के कारण वह तड़प कर रोने लगा। घबराए परिजन उसे तुरंत इलाज के लिए बीकापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

सीएचसी बीकापुर में तैनात चिकित्सक डॉ। अतुल मिश्रा ने जांच के बाद मासूम आरव को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों द्वारा मौत की पुष्टि होते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि आरव परिवार का इकलौता बेटा था। उसकी अचानक हुई मौत से सभी स्तब्ध हैं। वहीं डॉक्टरों का कहना है कि छोटे बच्चे जब भी घर में खेले उन्हें अकेला न छोड़ और उनकी निगरानी करते रहे।

बढ़ती महंगाई, बिजली संकट और नीट पेपर लीक के खिलाफ सपा युवा संगठनों का प्रदर्शन

सुल्तानपुर। समाजवादी पार्टी के युवा संगठनों ने बढ़ती महंगाई, चरमराई बिजली व्यवस्था और प्रशासनिक उदासीनता के खिलाफ मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नीट पेपर लीक समेत विभिन्न जनहित मुद्दों को लेकर कलेक्ट्रेट का घेराव कर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन प्रशासन को सौंपा। प्रदर्शन का नेतृत्व मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष मोहम्मद शहजाद और युवजन सभा के जिलाध्यक्ष शिव मंगल तिवारी ने किया। ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा गया। सपा नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जनता और छात्रों से जुड़े गंभीर मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई नहीं की गई, तो समाजवादी पार्टी और यूथ ब्रिगेड बड़ा जनआंदोलन शुरू करने को बाध्य होंगे। इनमें पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों पर रोक लगाने, गैस वितरण में कथित कालाबाजारी, भ्रष्टाचार और अनियमितताओं पर कार्रवाई करने की मांग शामिल रही।

डेढ़ लाख में टीजीटी परीक्षा का सौदा, दूसरे अभ्यर्थी की जगह बैठा सॉल्वर... फिर ऐसे पकड़ा गया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड की टीजीटी परीक्षा के दौरान बरेली में एक बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। शहर के इस्लामिया गर्ल्स इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र पर दूसरे अभ्यर्थी विमल प्रताप सिंह की जगह परीक्षा देने पहुंचे युवक प्रमोद को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी ने डेढ़ लाख रुपये लेकर यह परीक्षा देने का सौदा किया था। मीडिया के सामने इस बात को कबूल किया है।

दरअसल, प्रमोद आजमगढ़ जिले का रहने वाला है। वह फर्रुखाबाद निवासी अभ्यर्थी विमल प्रताप सिंह की जगह परीक्षा देने पहुंचा था। टीजीटी परीक्षा की पहली पारी के दौरान केंद्र पर बायोमेट्रिक सत्यापन किया जा रहा था। इसी दौरान उसकी पहचान को लेकर संदेह हुआ। जांच आगे बढ़ी तो पता चला कि परीक्षा देने

वाला युवक असली अभ्यर्थी नहीं है। बड़ी बात यह है कि वो आधी परीक्षा भी दे चुका था। परीक्षा केंद्र पर मौजूद अधिकारियों ने जब बायोमेट्रिक और अन्य दस्तावेजों का मिलान किया तो गड़बड़ी सामने आ गई। इसके बाद केंद्र प्रशासन ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही शहर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस जांच में सामने आया कि प्रमोद ने फर्रुखाबाद के अभ्यर्थी विमल की जगह परीक्षा देने की जिम्मेदारी ली थी। बताया जा रहा है कि इसके बदले में करीब डेढ़ लाख रुपये का सौदा तय हुआ था। हालांकि रकम का पूरा लेन-देन कैसे हुआ और इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं, इसकी जांच की जा रही है।

सॉल्वर गैंग से जुड़े होने की आशंका

पूछताछ के दौरान पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि आरोपी किसी संगठित सॉल्वर गैंग का सदस्य तो नहीं है। प्रतियोगी परीक्षाओं में दूसरे अभ्यर्थियों की जगह बैठकर परीक्षा देने वाले गिरोह पहले भी कई बार पकड़े जा चुके हैं। ऐसे में पुलिस इस मामले को गंभीरता से लेकर जांच कर रही है। एडीएम सिटी अविनाश त्रिपाठी ने बताया कि परीक्षा केंद्र पर पहचान संबंधी गड़बड़ी सामने आने के बाद कार्रवाई की गई। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उससे पूछताछ जारी है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पूछताछ कर रही पुलिस

वहीं गिरफ्तार आरोपी प्रमोद से भी पुलिस पूछताछ कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि मामले में शामिल अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। यदि किसी गिरोह या नेटवर्क के तार जुड़ते हैं तो उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। टीजीटी जैसी महत्वपूर्ण शिक्षक भर्ती परीक्षा में सामने आए इस फर्जीवाड़े ने परीक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि समय रहते आरोपी के पकड़े जाने से एक बड़ी गड़बड़ी होने से बच गई। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की तह तक पहुंचने में जुटी हुई है।

बिजनौर के 50 गांवों में नहीं आएगी बाढ़! गंगा के बीच बन रहा 7.5 KM लंबा चैनल, टूटने से कैसे बचेंगे तटबंध?

आर्यावर्त संवाददाता

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में इन दिनों गंगा नदी के बीचों-बीच दर्जनों ट्रैक्टर और भारी-भरकम ड्रेजर मशीनें काम करती दिखाई दे रही हैं। चौधरी चरण सिंह मध्य गंगा बैराज के अपस्ट्रीम क्षेत्र में नदी के बीच चल रही इस गतिविधि को देखकर लोगों के मन में सवाल उठ रहा है कि आखिर गंगा की धारा के बीच यह काम क्यों किया जा रहा है। हालांकि यह कोई अवैध खनन नहीं, बल्कि बिजनौर को हर साल आने वाली विनाशकारी बाढ़ से बचाने के लिए सिंचाई विभाग द्वारा शुरू किया गया एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है।

मानसून से पहले उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग गंगा नदी के भीतर करीब 7.15 किलोमीटर लंबा पायलट चैनल, जिसे तकनीकी भाषा में क्यूनेट कहा जाता है, तैयार कर रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य गंगा की मुख्य धारा को एक निश्चित दिशा देना और बाढ़ के दौरान पानी के दबाव को नियंत्रित करना है। दरअसल, उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों से बहकर आने वाली गंगा अपने साथ बड़ी मात्रा में मिट्टी और गाद लेकर आती है। पिछले कई वर्षों से यह गाद बिजनौर बैराज के ऊपरी हिस्से में जमा होती रही है। लगातार सिल्ट जमा होने के कारण नदी के बीच कई बड़े रेतीले टापू बन गए हैं, जिन्होंने गंगा की प्राकृतिक जलधारा को बाधित कर दिया है। स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब मानसून के दौरान पहाड़ों में भारी बारिश होती है। उस समय कई सहायक नदियां भी गंगा में मिलती हैं, जिससे जलस्तर तेजी से बढ़ जाता है। नदी के बीच बने सिल्ट के टापू पानी के प्रवाह में अवरोध पैदा करते हैं और जलधारा अपना रास्ता बदल लेती है। इसका सीधा असर नदी किनारे बसे गांवों, खेतों और रावली तटबंध पर पड़ता है। तेज जलप्रवाह के कारण भूमि कटान बढ़ जाता है और कई क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा उत्पन्न हो जाता है।

कितना आएगा खर्च?

विशेषज्ञों का मानना है कि जब नदी का पानी इस चैनल से गुजरना शुरू करेगा तो उसका प्रवाह स्वयं चैनल को और चौड़ा तथा गहरा करता जाएगा। इससे पानी का दबाव तटबंधों पर कम होगा और बाढ़ नियंत्रण में मदद मिलेगी। परियोजना पर लगभग 23.15 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है। बिजनौर जिला हर वर्ष बाढ़ की समस्या से जूझता है। गंगा के बढ़ते जलस्तर से लगभग 40 से 50 गांव प्रभावित होते हैं और हजारों हेक्टेयर में खड़ी गन्ना, धान तथा अन्य फसलें जलमग्न होकर नष्ट हो जाती हैं। इसी समस्या के स्थायी समाधान के लिए भाजपा नेता ऐश्वर्य मौसम चौधरी और बिजनौर सदर विधायक सुचि मौसम चौधरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह से बाढ़ सुरक्षा कार्यों की मांग की थी।

क्या होता है क्यूनेट?

सिंचाई विभाग के मैकेनिकल डिवीजन कानपुर के अधिशासी अभियंता प्रणव सिंह के अनुसार, क्यूनेट एक कृत्रिम जलमार्ग होता है जिसे नदी में जमा गाद को हटाकर बनाया जाता है। बिजनौर में तैयार किए जा रहे इस पायलट चैनल की गहराई लगभग तीन मीटर, चौड़ाई 60 मीटर और लंबाई 7.15 किलोमीटर है। इसका निर्माण इस प्रकार किया जा रहा है कि गंगा की मुख्य धारा इसी मार्ग से होकर बहे।

60 ट्रैक्टर और तीन ड्रेजर मशीनें लगातार काम कर रहीं

इसके बाद राज्य सरकार के निर्देश पर सिंचाई विभाग ने इस मेगा प्रोजेक्ट को मंजूरी दी। विभाग के प्रमुख अभियंता (ईएनसी) अशोक कुमार सिंह के अनुसार, परियोजना को समय पर पूरा करने के लिए तीन ड्रेजर मशीनें, 60 सिल्ट एक्सावेटर और करीब 60 ट्रैक्टर लगाए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि चैनल बनने के बाद गंगा की धारा सीधे बैराज के गेटों तक पहुंचेगी और पानी का निकास सुचारु रूप से हो सकेगा। इससे रावली, ब्रह्मपुरी, जीवनपुरी, नवलपुर, सीमली, सीमला, कुंदनपुर, गौसपुर, रामसहायवाला, हिम्मतपुर बेला, फतेहपुर सफाचंद सहित कई गांवों को बाढ़ और कटान के खतरे से राहत मिलने की उम्मीद है।

अमहट में जश्न ए ईद ए गदीर मनाया जायेगा आज

सुल्तानपुर। शिया बाहुल्य क्षेत्रों अमहट गोराबारिक तुराबखानी हसनपुर मनियारपुर जूडूपुर प्रतापपुर मनियारी भाईं लौहर दक्षिण खैराबाद सैदपुर हयातनगर कोटवा सुरौली मूंगर बेलहरी प्यारेपुर कादीपुर सैदखानपुर चुनहा करौंदिया वलीपुर कारीभीत इसौली में पहले इमाम हजरत अली अलैहिस्सलाम की ताजपोशी यौमे जश्ने गदीर के मौके पर महफिल का आयोजन करके जश्न मनाया जायेगा। जामा मस्जिद गोराबरिक अमहट में सुबह 10बजे आमाले गदीर होगा और अमहट गेट के बगल स्टाल लगाकर फल व मिठाई बांटी जायेगी। रात में 8 बजे जामा मस्जिद गोराबरिक अमहट के सामने तनजीमे हैदरी गोराबारिक अमहट की तरफ से एक महफिल का आयोजन किया गया है। जिसमें मौलाना फरमान अली तलावते कलाम पाक से शुरूआत केरेंगे। तकरीर मौलाना अब्बास इरशाद नकवी लखनऊ संचालन अहमद रजा बिजनौरी करेंगे और मारूफ सिरसवी बेताब हल्लौरी नदीम असगर बिजनौरी नगमी केरतपुरी तकी नौगवी अपना कसीदा सुनायेंगे।

राम नाईक ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिन की पूर्व संध्या पर दी शुभकामनाएँ

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राम नाईक ने राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके जन्मदिन की पूर्व संध्या पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं। अपने शुभकामना संदेश में उन्होंने मुख्यमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर सक्रिय नेतृत्व की कामना करते हुए कहा कि जन्मदिन जीवन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर होता है, जो व्यक्ति को आत्मचिंतन और आगे की जिम्मेदारियों के प्रति नई ऊर्जा प्रदान करता है।राम नाईक ने अपने संदेश में कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने बीते वर्षों में अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए विकास की नई दिशा और नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण, प्रशासनिक सुधारों के विस्तार तथा विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के कारण राज्य की छवि में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है।पूर्व राज्यपाल ने यह भी उल्लेख किया कि योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आधारभूत संरचना के विकास को गति मिली है, जिससे जनता के जीवन स्तर में सुधार की दिशा में सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयास प्रदेश को प्रगति के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं।अपने संदेश में उन्होंने आशा व्यक्त की कि आने वाले वर्षों में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास की नई ऊँचाइयों को छुएगा और प्रगति की यह यात्रा और अधिक सशक्त होगी। उन्होंने यह भी कामना की कि योगी आदित्यनाथ शतायु हों और उनका नेतृत्व प्रदेश और देश की प्रगति में निरंतर योगदान देता रहे। इस अवसर पर भेजे गए शुभकामना संदेश को राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

योगी सरकार का पर्यटन विकास पर फोकस, नीम करोली बाबा सर्किट-बुंदेलखंड फोर्ट सर्किट का होगा डेवलपमेंट

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक परंपरा और ज्ञान विरासत का प्रतिनिधि प्रदेश है।

पर्यटन विकास को केवल आधारभूत संरचना निर्माण तक सीमित न रखते हुए उसे सांस्कृतिक पुनर्जागरण, स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन और वैश्विक पहचान से जोड़कर आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

गुरुवार को पर्यटन विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को नई गति देने में पर्यटन की महत्वपूर्ण भूमिका है। पर्यटन विकास के माध्यम से स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प, पारंपरिक कला, खानपान, संस्कृति और सेवा क्षेत्र को भी व्यापक अवसर प्राप्त होंगे। भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण से जुड़े ज्ञान भारतम् मिशन की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की प्राचीन पांडुलिपियां हमारी सभ्यता, दर्शन, विज्ञान और सांस्कृतिक चेतना की अमूल्य धरोहर हैं। इनका संरक्षण और डिजिटलीकरण केवल अभिलेखीकरण का कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ने का माध्यम है। बैठक में अब तक 13 लाख 70 हजार से अधिक पांडुलिपियों के सर्वेक्षण, डिजिटलीकरण और संरक्षण की प्रगति की जानकारी दी गई। पर्यटन नीति-2022 में प्रस्तावित संशोधनों की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को निवेश, नवाचार और अनुभव आधारित पर्यटन का अग्रणी केंद्र बनाया जाए। बैठक में नीम करोली बाबा सर्किट तथा बुंदेलखंड फोर्ट सर्किट के रूप में नए क्षेत्रों के विकास पर चर्चा हुई। साथ ही 'परंपरा' विरासत अनुभव केंद्र, कृषि पर्यटन तथा वाइनयार्ड पर्यटन जैसी नई अवधारणाओं को बढ़ावा देने पर भी विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन नीति ऐसी हो जो निवेश आकर्षित करे, रोजगार बढ़ाए और पर्यटकों को विशिष्ट अनुभव प्रदान करे। मुख्यमंत्री ने लखनऊ में नव लोकार्पित 'नौसेना शौर्य वाटिका' और निर्माणाधीन आईएनएस गोमती शौर्य संग्रहालय की समीक्षा करते हुए कहा कि यह परियोजना राष्ट्रभक्ति, सैन्य गौरव और भारत की समुद्री विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी। उन्होंने कहा कि इसका संचालन लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा किया जाना चाहिए। बैठक में बताया गया कि निर्माणाधीन आईएनएस गोमती शौर्य संग्रहालय में भारतीय नौसेना के गौरवशाली इतिहास, समुद्री शक्ति, नौसैनिक अभियानों, आईएनएस गोमती की यात्रा, नौवहन परंपरा और भारत की समुद्री विरासत को आधुनिक तकनीक, इंटरैक्टिव गैलरियों, सिम्युलेटर, युवा कैडेट एरीना तथा विविध अनुभवात्मक प्रदर्शनों के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा।

लखनऊ में प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना और महापौर सुषमा खर्कवाल का जोन-4 क्षेत्र में व्यापक निरीक्षण, विकास कार्यों को समयबद्ध पूर्ण करने के दिए सख्त निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में नगर विकास एवं जनसुविधाओं की स्थिति का जायजा लेने के लिए गुरुवार सुबह लगभग 07 बजे नगर निगम जोन-4 अंतर्गत विभिन्न वार्डों का व्यापक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा लखनऊ के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना और लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने संयुक्त रूप से खरगापुर सरसवां, भरवारा-मल्हौर, चिनहट प्रथम एवं राजीव गांधी प्रथम वार्ड में विकास कार्यों, स्वच्छता व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं की जमीनी स्थिति का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान दोनों जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न स्थानों पर चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समयसीमा में हर हाल में पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।खरगापुर सरसवां वार्ड के सेक्टर-5 गोमती नगर एक्सटेंशन, गीतापुरी चौराहा एवं खरगापुर क्षेत्र में नाला निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया गया। संकट मोचन द्वार के पास निर्माणाधीन नाले की स्थिति देखते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि यह कार्य 19 जून तक हर हाल में पूर्ण कर लिया जाए, ताकि क्षेत्र में जलभराव जैसी समस्याओं का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।भरवारा-मल्हौर वार्ड में एसटीपी एमिटी रोड के पास खाली पड़े भूखंडों का निरीक्षण करते हुए स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि तत्काल साफ-सफाई कराई जाए तथा भूखंड स्वामियों को नोटिस जारी कर बाउंड्री वॉल निर्माण सुनिश्चित कराया जाए, जिससे कूड़ा डंपिंग और अतिक्रमण की समस्या पर प्रभावी रोक लग सके।चिनहट प्रथम वार्ड के अंतर्गत चिनहट चौराहा बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण की स्थिति को देखते हुए उसे तत्काल हटाने के निर्देश दिए गए। साथ ही यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए बाजार के समीप व्यवस्थित पार्किंग विकसित करने पर भी बल दिया गया, ताकि आम नागरिकों और व्यापारियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।राजीव गांधी प्रथम वार्ड के मिठाई वाला चौराहा स्थित पीसीटीएस क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई एवं व्यवस्था संतोषजनक पाए जाने पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहना की गई। इस दौरान कहा गया कि इसी प्रकार की कार्यप्रणाली अन्य क्षेत्रों में भी अपनाई जाए।निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि नागरिकों को स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि स्वच्छता, जल निकासी, अतिक्रमण नियंत्रण और यातायात प्रबंधन जैसे कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस अवसर पर नगर आयुक्त, अपर नगर आयुक्त, जलकल विभाग के अधिकारी, मुख्य अभियंता सहित नगर निगम के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। पूरे निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान विकास कार्यों में तेजी लाने और जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष जोर दिया गया।

लखनऊ के जियामऊ में बनेगा भारतीय जनता पार्टी का भव्य प्रदेश मुख्यालय

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के जियामऊ क्षेत्र में अब भारतीय जनता पार्टी का नया भव्य प्रदेश मुख्यालय बनेगा। इसके लिए पार्टी ने लखनऊ विकास प्राधिकरण की ई-नीलामी प्रक्रिया में भाग लेते हुए लगभग 45 करोड़ रुपये की सबसे ऊंची बोली लगाकर 5500 वर्गमीटर का प्रमुख भूखंड अपने नाम कर लिया है। इस सफल बोली के साथ पार्टी ने न केवल अन्य प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ दिया, बल्कि नीलामी प्रक्रिया में निर्णायक बढ़त हासिल करते हुए इस महत्वपूर्ण भूखंड पर अधिकार प्राप्त किया।सूत्रों के अनुसार यह भूखंड जियामऊ जैसे प्रमुख और व्यावसायिक रूप से विकसित क्षेत्र में स्थित है, जहां भविष्य में छह मंजिला अत्याधुनिक प्रदेश मुख्यालय के निर्माण की योजना तैयार की जा रही है। नए मुख्यालय को आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाया जाएगा, जिसमें बड़े सम्मेलन कक्ष, विस्तृत बैठक कक्ष, मीडिया संवाद के लिए विशेष क्षेत्र तथा संगठनात्मक गतिविधियों के संचालन हेतु अत्याधुनिक व्यवस्थाएँ शामिल होंगी।योजना के अनुसार प्रस्तावित भवन के शीर्ष तल पर हेलीपैड भी विकसित किया जाएगा, जिससे राष्ट्रीय स्तर के नेताओं और शीर्ष पदाधिकारियों की आवाजाही को और अधिक सुगम बनाया जा सके। इससे संगठनात्मक और प्रशासनिक गतिविधियों में गति आने की उम्मीद जताई जा रही है।लखनऊ विकास प्राधिकरण के लिए भी यह नीलामी अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुई है। इस प्रक्रिया से प्राधिकरण को अनुमानित से लगभग 16 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हुआ है, जिससे शहरी विकास परियोजनाओं को और अधिक मजबूती मिलने की संभावना है।इस नीलामी में कई बड़े भू-व्यवसायियों और संस्थाओं को पीछे छोड़ते हुए भारतीय जनता पार्टी ने निर्णायक बढ़त हासिल की, जिससे यह स्पष्ट होता है कि संगठन अपने प्रदेश स्तर के ढांचे को और अधिक मजबूत और आधुनिक स्वरूप देने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।जियामऊ क्षेत्र में बनने वाला यह नया प्रदेश मुख्यालय पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों के लिए एक केंद्रीय केंद्र के रूप में कार्य करेगा। इसके निर्माण के बाद प्रदेश स्तरीय बैठकों, रणनीतिक चर्चाओं और जनसंपर्क कार्यक्रमों को और अधिक सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया जा सकेगा।इस पूरे घटनाक्रम को राजधानी लखनऊ में राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण विकास माना जा रहा है, क्योंकि यह न केवल संगठन के विस्तार को दर्शाता है, बल्कि शहरी ढांचे और विकास योजनाओं पर भी सकारात्मक प्रभाव डालेगा।

संक्षेप

लखनऊ में बाइक की टक्कर से रिक्शा चालक की मौत, नाका हिण्डोला क्षेत्र में सड़क हादसे से हड़कंप

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के थाना नाका हिण्डोला क्षेत्र अंतर्गत मोतीनगर चौराहे के पास दिनांक 03 जून 2026 को एक सड़क दुर्घटना में रिक्शा चालक की मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब एक बाइक सवार युवक ने रिक्शा चालक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।जानकारी के अनुसार, दुर्घटना में घायल हुए 50 वर्षीय रवि महतो, पुत्र विशम्भर महतो, निवासी श्रम विहार नगर स्टेडियम के पीछे झोपड़पट्टी, थाना आलमबाग, लखनऊ को तत्काल स्थानीय पुलिस की सहायता से बलरामपुर चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था।पुलिस के अनुसार, सूचना प्राप्त होते ही मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की गई और घायल को समय रहते अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उपचार के दौरान चिकित्सकों ने रवि महतो को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

चित्रकूट में जल संकट को लेकर अखिलेश यादव का भाजपा सरकार पर तीखा हमला, विकास और 'जल जीवन मिशन' पर उठाए सवाल

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने चित्रकूट में व्याप्त गंभीर जल संकट को लेकर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पानी के लिए तरसते बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों की दयनीय स्थिति देखकर भाजपा के विकास के दावों की वास्तविकता सामने आ गई है।अखिलेश यादव ने कहा कि जनता आज यह सवाल कर रही है कि जब पीने के पानी जैसी मूलभूत सुविधा ही उपलब्ध नहीं है तो वर्ष 2047 के 'विकसित भारत' के सपनों का क्या अर्थ रह जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में 'जल जीवन मिशन' केवल कागजों और टंकियों तक सीमित रह गया है, जबकि जमीनी स्तर पर लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।उन्होंने कहा कि सरकार के दावों के विपरीत कई स्थानों पर पानी की टंकियाँ या तो खराब पड़ी हैं या उनका संचालन सुचारु नहीं है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विकास कार्यों के नाम पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है और बजट का दुरुपयोग किया गया है।पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कहीं पानी की टंकियां खराब हैं तो कहीं पुलों और सड़कों की स्थिति जर्जर हो रही है, जो शासन की विफलता को दर्शाता है।

लखनऊ में लाइसेंसी रिवॉल्वर से गोली लगने से निजी सुरक्षा एजेंसी के सुपरवाइजर की मौत

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के थाना विकासनगर क्षेत्र अंतर्गत सबोली, सेक्टर-सी में एक व्यक्ति द्वारा लाइसेंसी रिवॉल्वर से स्वयं को गोली मार लेने का मामला सामने आया है। घटना 03/04 जून 2026 की रात्रि लगभग 10 बजे की बताई जा रही है, जबकि इसकी सूचना डायल-112 के माध्यम से पुलिस को रात 12:22 बजे प्राप्त हुई।सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि 52 वर्षीय संदीप सिंह, पुत्र जीत बहादुर सिंह, निवासी सेक्टर-सी सबोली, थाना विकासनगर, ने अपने लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली।पुलिस के अनुसार, मृतक के भाई प्रदीप सिंह ने बताया कि संदीप सिंह उस समय शराब के नशे में थे और इसी दौरान उन्होंने यह कदम उठाया। घटना के बाद परिजनों ने उन्हें गंभीर अवस्था में तत्काल ट्रामा सेंटर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बाद में एक परिचित द्वारा डायल-112 को सूचना दी गई।मृतक संदीप सिंह एक निजी सुरक्षा संस्था "श्री राम सिक्योरिटी एजेंसी" में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत थे। उनके परिवार में पत्नी और दो पुत्रियां हैं। घटना की सूचना मिलते ही परिवार के सदस्य मौके पर पहुंच गए, जिससे क्षेत्र में शोक का माहौल व्याप्त हो गया।पुलिस ने घटनास्थल की जांच के दौरान कमरे से लाइसेंसी रिवॉल्वर और खून के निशान बरामद किए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए फील्ड यूनिट को मौके पर बुलाया गया, जिसने वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य संकलन की प्रक्रिया शुरू कर दी है।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है।

उत्तर प्रदेश में परिषदीय शिक्षकों के अंतरजनपदीय स्थानांतरण पर नई नीति लागू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन ने शैक्षिक सत्र 2026-27 के दौरान बेसिक शिक्षा परिषद के अधीन संचालित विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं के अंतरजनपदीय स्थानांतरण को लेकर नई व्यवस्था लागू कर दी है। इस संबंध में अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा अनुभाग-5, पार्थ सारथी सेन शर्मा द्वारा महानिदेशक, स्कूल शिक्षा को औपचारिक निर्देश जारी किए गए हैं।शासन के निर्देश में गृह मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र का हवाला देते हुए कहा गया है कि वर्तमान जनगणना कार्य (2026-27) में बड़ी संख्या में बेसिक शिक्षा परिषद के शिक्षक-कर्मचारी तैनात हैं। ऐसे में व्यापक स्तर पर स्थानांतरण किए जाने से जनगणना कार्य प्रभावित होने की आशंका व्यक्त की गई है। इसी को देखते हुए स्थानांतरण प्रक्रिया को अत्यंत सीमित और नियंत्रित रखने का निर्णय लिया गया है।

लखनऊ की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट को बड़ी सफलता

10 माह से लापता 12 वर्षीय बालक को नई दिल्ली के चांदनी चौक से सकुशल किया बरामद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। कमिश्नरेट लखनऊ की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (AHTU) को गुमशुदा बच्चों की तलाश और मानव तस्करी की रोकथाम के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना गुड़म्बा में पंजीकृत मु0अ0सं0-300/2025, धारा 137(2) बीएनएस से संबंधित 12 वर्षीय बालक को लगभग 10 माह बाद नई दिल्ली के चांदनी चौक क्षेत्र से सकुशल बरामद कर लिया गया है।जानकारी के अनुसार, दिनांक 01 अगस्त 2025 को बालक के घर से लापता होने पर उसके पिता छोटू शुक्ला, निवासी कुर्सी रोड मिश्रपुर रोड डिपो, गुड़म्बा, लखनऊ द्वारा थाना गुड़म्बा में तहरीर दी गई थी, जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया था। प्रारंभिक जांच के बाद विवेचना को एएचटीयू को स्थानांतरित किया गया, जिसके बाद से ही टीम लगातार तकनीकी विश्लेषण, सर्विलांस, मानव स्रोतों और विभिन्न राज्यों से समन्वय के माध्यम से बालक की तलाश में जुटी हुई थी।लगातार प्रयासों के बीच दिनांक 03 जून 2026 को बालक द्वारा एक अज्ञात मोबाइल नंबर से अपने पिता को कॉल कर दिल्ली में होने की जानकारी दी गई। इस सूचना के बाद एएचटीयू टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सर्विलांस सेल की सहायता से मोबाइल की लाइव लोकेशन ट्रेस की, जो नई दिल्ली के चांदनी चौक क्षेत्र में पाई गई।सूचना मिलते ही एएचटीयू के उपनिरीक्षक अनिल कुमार कुशवाहा एवं उपनिरीक्षक गुलाब सिंह तत्काल नई दिल्ली रवाना हुए और स्थानीय स्तर पर गहन खोजबीन के बाद बालक को चांदनी चौक स्थित एक टेंट हाउस से सकुशल बरामद कर लिया गया।पुलिस पूछताछ में बालक ने बताया कि घर में अपनी बहन से टीवी रिमोट को लेकर हुए विवाद के बाद वह नाराज होकर घर से निकल गया था। इसके बाद वह विभिन्न साधनों से दिल्ली पहुंचा और वहां एक टेंट हाउस में काम करने लगा। बालक ने स्पष्ट किया कि उसके साथ किसी प्रकार की मानव तस्करी या आपराधिक घटना नहीं हुई, लेकिन डर के कारण वह घर वापस नहीं लौट रहा था।बरामदगी के बाद बालक का बयान दर्ज कर आवश्यक चिकित्सकीय और वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। साथ ही उसे बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत कर परिजनों से मिलाने की प्रक्रिया भी प्रचलित है।इस संबंध में अपर पुलिस उपायुक्त (अपराध) कमिश्नरेट लखनऊ, किरण यादव ने बताया कि एएचटीयू द्वारा तकनीकी विश्लेषण, डिजिटल ट्रैकिंग और मानव सूचना तंत्र के माध्यम से लगातार प्रभावी कार्य किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप कई मामलों में सफलता मिली है।

लखनऊ के कंचनपुर मटियारी में 23 वर्षीय महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के थाना चिनहट क्षेत्र अंतर्गत कंचनपुर मटियारी इलाके में एक 23 वर्षीय महिला द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी आज दिनांक 04 जून 2026 को रात्रि लगभग 01:30 बजे पुलिस को दूरभाष के माध्यम से प्राप्त हुई, जिसके बाद पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची।पुलिस के अनुसार, घटना स्थल पर पहुंचने पर आशुतोष तिवारी, पुत्र शिवानंद तिवारी, निवासी कंचनपुर मटियारी, थाना चिनहट, लखनऊ ने बताया कि वह निजी कंपनी में डिलीवरी बॉय के रूप में कार्य करता है। वह रात्रि लगभग 01:00 बजे घर पहुंचा तो उसने अपनी पत्नी 23 वर्षीय मोनिका मिश्रा को कमरे में दुपट्टे के सहारे पंखे से लटका हुआ देखा।

लखनऊ पुलिस को बड़ी सफलता : मोहनलालगंज क्षेत्र से अपहृत दो नाबालिग बालिकाएं सकुशल बरामद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। थाना मोहनलालगंज क्षेत्र में दो नाबालिग बालिकाओं के अपहरण एवं मानव तस्करी के गंभीर मामले का खुलासा करते हुए लखनऊ पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने न सिर्फ दोनों बालिकाओं को सकुशल बरामद किया है, बल्कि इस मामले में सक्रिय अंतरजनपदीय गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है।जानकारी के अनुसार, दिनांक 12 मई 2026 को वादिनी कमलेशा, निवासी ग्राम गनियार, थाना मोहनलालगंज, लखनऊ द्वारा सूचना दी गई थी कि उनकी नाबालिग नातिनें, जिनकी उम्र लगभग 16 वर्ष और 12 वर्ष है, को उनके ही रिश्तेदार एक बाल अपचारी द्वारा अपनी सहयोगी प्रिया पटेल निवासी भदोखर, थाना राही, जनपद रायबरेली के साथ मिलकर बहला-फुसलाकर अज्ञात स्थान पर ले जाया गया है। इस सूचना के आधार पर थाना मोहनलालगंज में मु0अ0सं0-175/2026, धारा 137(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देश पर चार पुलिस टीमों का गठन किया गया, जिनमें एक टीम को सादे वस्त्रों में लगाया गया। पुलिस टीमों ने तकनीकी और मैनुअल जांच के साथ लगभग 150 सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण किया और लगातार सर्विलांस की मदद से सुराग जुटाए।लगातार प्रयासों के बाद दिनांक 18 मई 2026 को दोनों नाबालिग बालिकाओं को सकुशल बरामद कर लिया गया। बरामदगी के बाद दर्ज बयान में खुलासा हुआ कि उन्हें एक संगठित गिरोह द्वारा शादी के नाम पर बेचने की नियत से राजस्थान के कोटा क्षेत्र ले जाया जा रहा था।जांच में सामने आया कि इस पूरे गिरोह में मुख्य भूमिका प्रिया पटेल उर्फ शीला, उसके साथी अनुराग यादव तथा अन्य सहयोगियों की थी, जिन्होंने बालिकाओं को घुमाने-फिराने और अच्छे कपड़े दिलाने का लालच देकर बहला-फुसलाया। इसके बाद उन्हें रायबरेली ले जाया गया और वहां से राजस्थान भेजने की तैयारी की जा रही थी, जहां कथित रूप से पैसे लेकर बालिकाओं की शादी कराई जाती थी।पुलिस ने आगे कार्रवाई करते हुए दिनांक 03 जून 2026 को अतरौली क्रॉसिंग के पास से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनमें अनुराग यादव, अख्तर, प्रिया पटेल उर्फ शीला और एक बाल अपचारी शामिल हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो चार पहिया वाहन भी बरामद किए हैं।गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ में एक संगठित मानव तस्करी गिरोह का खुलासा हुआ है, जो कमजोर और असहाय बालिकाओं को निशाना बनाकर उन्हें बहला-फुसलाकर अन्य राज्यों में बेचने का कार्य करता था।

विश्व पर्यावरण दिवस पर उत्तर प्रदेश में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत 5 करोड़ पौधरोपण

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत बड़े पैमाने पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस व्यापक अभियान का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को लखनऊ स्थित कुकरैल वन क्षेत्र से करेंगे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री कैरव दुबे, निवासी सेक्टर-14/412, इंदिरा नगर, लखनऊ की हाईस्कूल (वर्ष 2021) सी.बी.एस.ई. बोर्ड की मूल अंकतालिका (Marksheet) कहीं खो गई है। अभिलेख की खोजबीन के बाद भी प्राप्त नहीं हो सकी है। अतः संबंधित बोर्ड से द्वितीय प्रति (Duplicate Marksheet) प्राप्त करने हेतु शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त अंकतालिका प्राप्त हो अथवा उसके संबंध में कोई जानकारी हो तो कृपया संबंधित धारक को सूचित करने का कष्ट करें।

कैरव दुबे

इंदिरा नगर, लखनऊ

दिनांक: 26.12.2025

कमजोर मानसून तो महंगाई का लगेगा तड़का, अर्थव्यवस्था होगी प्रभावित

मौसम विभाग द्वारा 29 मई को जून से सितंबर मानसून के दौरान 10 प्रतिशत कम बरसात का पूर्वानुमान बेहद चिंताजनक का कारण बन गया है। इससे पहले जारी पूर्वानुमान में 8 प्रतिशत कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई थी। लगभग दस साल बाद देश में कमजोर मानसून के हालात रहने की संभावना है। अर्थव्यवस्था के लिए यह इसलिए और भी अधिक चिंतनीय हो जाता है कि एक और अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच सीजफायर के आसार नहीं दिख रहे हैं और इसके कारण भारत सहित दुनिया के अधिकांश देश कच्चे तेल और गैस की समस्या से दो चार हो रहे हैं और इसका सीधा असर महंगाई बढ़ना हो रहा है। दूसरी और अब अलनीनों के प्रभाव से इस साल कमजोर मानसून के कारण 10 प्रतिशत कम बरसात होने से हालात और भी गंभीर होने की संभावना बनती जा रही है। करीब दस साल बाद ऐसे हालात बनने जा रहे हैं। खास बात यह है कि उत्तर पूर्व को छोड़कर समूचे देश में कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान को इसलिए भी नहीं नकारा जा सकता है कि पिछले सालों में भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान लगभग सटीक रहने लगे हैं। मजे की बात यह है कि इस साल गर्मी भी भीषण पड़ रही है और पिछले एक माह में ही जलाशयों में उपलब्ध पानी में तेजी से कमी आई है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश के प्रमुख 166 जलाशयों में कुल भराव क्षमता का 24 प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है और तेजी से पानी कम होता जा रहा है। दक्षिण भारत के हालात अधिक गंभीर है और वहां लगभग 17 प्रतिशत ही पानी रह गया है। उत्तरी भारत के जलाशयों में 26 तो पश्चिमी भारत के जलाशयों में 28 प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है। मानसून भी तय समय से बिलंबित हो रहा है।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि हमारी अर्थव्यवस्था मानसूनी बरसात पर बहुत कुछ निर्भर करती है। देश में मानसून सीजन में 87 सेमी बरसात होती है। पूर्वानुमानों को माने तो 2018 में 91 प्रतिशत बरसात हुई थी उसके बाद के सालों में मानसून लगभग अच्छा ही रहा है। पिछले सालों में मानसून की स्थिति देखें तो 2023 में मानसून अवश्य कमजोर रहा है अन्यथा देश में मानसूनी वर्षा 100 प्रतिशत के आसापास व इससे अधिक ही रही है। कमजोर मानसून के कारण भूजल स्तर में गिरावट, अधिक पानी पर निर्भर धान, तिलहन और दलहन की फसल प्रभावित होगी और इस कारण से खाद्य महंगाई बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता। इससे आम आदमी की थाली पर असर पड़ेगा और सब्जी, दाल और अनाज सभी के भाव बढ़ने का असर दिखाई देगा। इसी तरह से देश के अनेक हिस्सों में पीने के पानी की दिक्कत आम है। बांधों में तेजी से पानी की कमी और मानसून कमजोर रहने से पानी की कम आवक रहती है तो निश्चित रुप से सिंचाई व पेयजल दोनों के लिए पानी की दिक्कत होगी। जल विद्युत परियोजनाओं में विद्युत उत्पादन पर असर होगा तो कुल मिलाकर अर्थ व्यवस्था को प्रभावित होने से कोई नहीं रोक सकता।

दरअसल देश में एक समय था जब सूखा आम होता था और व्यापक स्तर पर अकाल राहत कार्य संचालित होते थे। हांलाकि देश के हालातों में काफी सुधार हुआ है और अकाल को तो लगभग भूल ही चुके हैं। पर सवाल वहीं का वहीं है कि जल संचयन के जो प्रयास होने चाहिए थे और उनका जिस तरह का प्रभाव पड़ना चाहिए था वह अभी तक सामने नहीं आया है। सरकार के सामने कमजोर मानसून के हालात से निपटने की बड़ी चुनौती आने वाली है। सबसे अधिक तो जल संग्रहण की चुनौती होगी क्योंकि प्राकृतिक जल संग्रहण के रास्ते शहरीकरण की भेंट चढ़ चुके हैं। दीर्घकालीन सोच के साथ ठोस प्रयास नहीं होने से बरसात के पानी का सही तरीके से संग्रहण भी नहीं हो पा रहा है। जितने पानी की साल भर आवश्यकता होती है उससे अधिक बरसाती पानी तो बह जाता है। इसके अलावा पानी का उपयोग और दुरुपयोग दोनों ही बढ़ गए हैं। कम पानी से तैयार होने वाली फसलों की किस्में विकसित करने में हम अभी पूरी तरह से सफल नहीं हो पायें हैं। पांच नदियों के प्रदेश पंजाब तक में पानी का संकट होने लगा है। खेती ही नहीं घरेलू जरुरतों में भी पानी का उपयोग बहुत अधिक बढ़ गया है। टायलेट और कूलरों में पानी की खपत बहुत अधिक बढ़ गई है। जल बचाओ मात्र स्लोगन ही रह गया है और इसका असर दिखाई नहीं देता। इसी तरह से वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तैयार तो बहुत किये गये हैं पर उनके निर्माण में जिस तरह की लापरवाही बरती गई है वह किसी से छिपी नहीं हैं। क्योंकि वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम कितना सफल रहा है वह सामने हैं। बाहरमासी नदी नालें तो अब कल्पना की बात हो गए हैं बल्कि बरसाती नदियां भी बरसात में एकाध बार ही पूरे वेग से बहती दिखती है। ऐसे में गंभीरता को तो समझा ही जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पांच देशों की सफल यात्रा

यूएई की यात्रा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच देशों की यात्रा के प्रथम चरण में यूएई पहुंचे। यहाँ भारत और यूएई के मध्य सात समझौते हुए। इन समझौतों के अंतर्गत भारत व यूएई में संयुक्त तौर पर पेट्रो उत्पादों के रणनीतिक भंडार बनाए जाएंगे।

मृत्युंजय दीक्षित

प्रधानंमत्री नरेंद्र मोदी की पांच देशों संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) नीदरलैंड, स्वीडन, नार्वे और इटली की छह दिवसीय यात्रा संपन्न हो चुकी है। पश्चिमी एशिया संकट सहित दुनियाभर में चल रही उथल -पुथल तथा चीन की विस्तारवादी नीतियों के दृष्टिगत प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा इन देशों से द्विपक्षीय संबंध सुधारने की दिशा में एक अहम पड़ाव बनी। प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा के दौरान उन्हें स्वीडन तथा नार्वे जैसे देशों ने अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान देकर सम्मानित किया। नार्वे की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-नार्डिक देशों के शिखर सम्मेलन में भी भाग लिया। प्रधानमंत्री की पांच देशों की यात्रा के दौरान कुल 57 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा के व्यापक कूटनीतिक, आर्थिक और सामरिक निहितार्थ हैं। इन यात्राओं का एक परोक्ष संदेश यह भी है अब भारत दुनिया के ताकतवर देशों की कूटनीति की छत्रछाया से बाहर निकल कर अपनी स्वतंत्र नीति पर चल रहा है।

यूएई की यात्रा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच देशों की यात्रा के प्रथम चरण में यूएई पहुंचे। यहाँ भारत और यूएई के मध्य सात समझौते हुए। इन समझौतों के अंतर्गत भारत व यूएई में संयुक्त तौर पर पेट्रो उत्पादों के रणनीतिक भंडार बनाए जाएंगे। यूएई भारत में दीर्घकालिक तौर पर एलपीजी आपूर्ति करेगा, पांच अरब डॉलर का नया निवेश करके भारत में सुपर कंप्यूटर क्लस्टर स्थापित करेगा। एक समझौता गुजरात के वाडीनार में शिप रिपेयरिंग क्लस्टर बनाने को लेकर भी है। इससे लाखों लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। दोनो देशों की कंपनियां मिलकर बहुत शक्तिशाली कंप्यूटर प्रणाली स्थापित करेंगी जो एआई ट्रेनिंग, रिसर्च और बड़े-बड़े मॉडल चालने के लिए प्रयोग की जाएगी। दोनों देशों के बीच रक्षा, औद्योगिक सहयोग, नवाचार उन्नत प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण, संयुक्त अभ्यास शिक्षा एवं सैन्य डॉक्ट्रिन, विशेष अभियान, अंतर-संचालन क्षमता, समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, सुरक्षित संचार और सूचना आदान प्रदान के लिए एक व्यापक रणनीतिक ढांचा स्थपित करने की सहमति बनी है।

नीदरलैंड- अपनी यात्रा के अगले चरण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीदरलैंड पहुंचे जहां उनका भव्य व गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। भारत और नीदरलैंड के मध्य 17 द्विपक्षीय समझौतों से एक नया रिकॉर्ड बना। भारत और नीदरलैंड व्यापार और निवेश रक्षा और सुरक्षा, सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष, खनिज, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में साथ मिलकर काम करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी और नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब जे टेन के मध्य हुई वार्ता के बाद अलग-अलग क्षेत्रों में 17 समझौते हुए। हरित हाइड्रोजन के विकास पर सहमति के साथ दोनों देश संयुक्त रक्षा उपकरण प्रणाली घटकों और अन्य प्रमुख क्षमताओं के संयुक्त निर्माण के लिए रक्षा औद्योगिक रोडमैप स्थापित करने की संभावनाओं का भी पता लगाएंगे। इसमें प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और संयुक्त उद्यमों की स्थापना शामिल है। संयुक्त बयान के अनुसार दोनों पक्षों ने विज्ञान और नवाचार, सतत विकास, स्वास्थ्य, कृषि जल प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा संक्रमण, समुद्री विकास और जन संबंधों में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति व्यक्त की। आव्रजन मोबिलिटी पर भी समझौता हुआ। इसके अंतर्गत कुशल भारतीय पेशवेरों के लिए नीदरलैंड में काम करने की प्रक्रियाओं को आसान व निष्पक्ष बनाया जाएगा। अवैध प्रवासन रोकने के लिए भी सहमति बनी है। नीदरलैंड के पास पानी के प्रबंधन की बेहतरीन तकनीक है जिसमें भारत के साथ सहयोग मजबूत होगा। समझौतों से अर्धचालक, अहम खनिज, स्वास्थ्य, जल, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि व संस्कृति जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ेगा। इस दौरे की एक बड़ी बात यह रही कि नीदरलैंड के प्रधानमंत्री जेटेन ने अप्रैल 2025 में हुए पहलगात आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को अटूट समर्थन का भरोसा दिया।

स्वीडन- प्रधानमंत्री नरेंद मोदी अपनी यात्रा के तीसरे चरण में स्वीडन पहुंचे जहां एयरपोर्ट पर स्वीडिश प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टरसन ने स्वयं प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। स्वीडन ने प्रधानमंत्री मोदी को सर्वोच्च सम्मान "रॉयल ऑर्डरऑफ़ पोलर स्टार" से सम्मानित किया। यह प्रधानमंत्री मोदी का 31 वां सम्मान है। भारत-स्वीडन संबंधों में प्रधानमंत्री मोदी के असाधारण योगदान और दूरदर्शी नेतृत्व के लिए उन्हें इस सम्मान से सम्मानित किया गया। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की और पारस्परिक व्यापार को बढ़ाने सहित व्यापक अवसरों और निवेश को बढावा देने पर चर्चा की।

नार्वे- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नार्वे यात्रा अत्यंत महत्वपूर्ण थी क्योंकि यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की 43 वर्षों के अंतराल के बाद की जाने वाली नार्वे यात्रा थी। प्रधानमंत्री मोदी ने नार्वे के शहर ओस्लो में भारत-नार्डिक शिखर सम्मलेन में भाग लिया। प्रधानमंत्री मोदी को नार्वे का सर्वोच्च नागरिक सम्मान "ग्रैंड क्रास ऑफ़ द रॉयल नार्वेजियन आर्डर ऑफ़ मेरिट" से सम्मनित किया गया। यह प्रधानमंत्री मोदी को मिला 32 वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। भारत और नार्वे के बीच ग्रीन एनर्जी और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए ग्रीन स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप समझौते पर सहमति बनी।नार्वे के साथ स्वास्थ्य और डिजिटल तकनीक क्षेत्र में भी समझौते हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वैश्विक संघर्ष के बीच भारत और यूरोप के रिश्ते नए स्वर्णिम समय में प्रवेश कर रहे हैं।

इटली- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पांचवां और अंतिम पड़ाव इटली रहा, जहां भारत और इटली ने आपसी संबंधों को मजबूत करने के लिए विशेष रणनीतिक साझेदारी पर बल दिया। दोनों नेताओं ने भारत-इटली साझेदारी के संपूर्ण आयामों पर विस्तृत चर्चा की और आपसी संबंधों को दिशा देने के लिए वर्ष 2025-29 की कार्य योजना की समीक्षा की। दोनों नेताओं के मध्य भारत- ईयू के मध्य मुक्त व्यापार समझौते पर भी चर्चा हुई। इटली की पीएम मेलोनी ने इंडिया-मिडिल ईस्ट यूरोप इकोनामिक कारिडोर जैसी बड़ी वैश्विक पहल पर सहयोग बढ़ाने पर बल दिया है। 2027 में "भारत -इटली ईयर ऑफ़ कल्चर एंड टूरिज्म" मनाने की योजना पर भी चर्चा की गयी। आतंकवाद के मुद्दे पर भारत-इटली ने आपसी सहयोग और प्रगाढ़ करने का निर्णय किया है। इटली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी एएफओ के मुख्यालय में आयोजित समारोह में एएफओ का एग्रिकोला मेडल प्रदान किया गया। उन्हें यह सम्मान कृषि, खाद्य सुरक्षा, और ग्रामीण विकास में भारत के योगदान के लिए प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री की इटली यात्रा के दौरान भारत की मेलोडी टॉफी चर्चा में रही क्योंकि यह स्वदेशी उत्पाद प्रधानमंत्री ने इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी को उपहार में दिया। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्राएं कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण थीं, इनमें सामरिक, कूटनीतिक तथा रणनीतिक संदेश छिपे हुए थे। इस यात्रा में प्रधानमंत्री मोदी नए अवसरों व सप्लाई चेन के नए मार्गों की खोज करने गए थे। यदि यूएई के रास्ते यूरोप के देशों तक नया कॉरिडोर बन जाता है तो इससे भविष्य में व्यापार बहुत आसान हो जायेगा।

टिप्पणी

आरक्षण का मुद्दा गरमाया

चुनाव प्रचार में इन दिनों आरक्षण का मुद्दा गरमाया हुआ है। प्रारंभिक तौर पर आरक्षण को सबसे निचले वर्गों की जातियों को आर्थिक तथा राजनीतिक संबल प्रदान करने के लिए वैधानिक तौर पर आरक्षण प्रदान किया गया था।

बाद में आरक्षण का विस्तार होता गया और इसमें नये-नये जाति समूह शामिल होते चले गए।आरक्षण प्राप्त करने के लिए जाट और मराठा जैसे शक्तिशाली समूहों को आंदोलन की राह पकड़नी पड़ी।

दरअसल, जो आरक्षण निचली पायदान पर खड़े जाति समूहों के उत्थान के लिए था, वह सभी जाति समूहों के लिए राजनीतिक शक्ति प्राप्त करने का हथियार बन गया। कहने की जरूरत नहीं है कि आज आरक्षण भारतीय समाज के एक बहुत बड़े वर्ग में असंतोष और चिंता का कारक बना हुआ है।

हिन्दू समाज के अनारक्षित जाति समूह मानते हैं कि उनके साथ अन्याय किया जा रहा है। ऐसी सूरत में एक ऐसे आर्थिक ढांचे पर बल दिए जाने की जरूरत थी जिसमें बिना आरक्षण की सीढ़ी के सभी निचले वर्ग के लोगों को उत्थान के अवसर प्राप्त हों और जातीय आग्रह सामाजिक विग्रह के कारण न बनें लेकिन अब आरक्षण की नीति एक चिंताजनक मोड़ पर ले आई है।

एक ओर जहां कांग्रेस के नेता विशेषकर राहुल गांधी आरोप लगा रहे हैं कि मोदी तीसरी बार सत्ता में आए तो संविधान बदल देंगे और आरक्षण खत्म कर देंगे। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी हर सभा में कह रहे हैं कि कांग्रेस ने आरक्षण को मुस्लिम तुष्टिकरण का नया औजार बना लिया है।

वह बार-बार कर्नाटक का उदाहरण दे रहे हैं जहां कांग्रेस ने सभी मुस्लिम जातियों को पिछड़े वर्ग में शामिल करके पिछड़े वर्ग के कोटे से ही 4 प्रतिशत का आरक्षण दे दिया जिसे बाद में भाजपा सरकार ने निरस्त कर दिया। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा जहां भाजपा सरकार के फैसले पर रोक लगा दी गई है।

मोदी अपनी हर सभा में खुलकर कह रहे हैं कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो दलित और पिछड़ों का आरक्षण समाप्त कर मुसलमानों को दे देगी।

संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण की व्यवस्था नहीं है। लेकिन कांग्रेस ने चोर दरवाजे से कर्नाटक में आरक्षण देकर जो कदम उठाया है, उसके दुष्परिणाम समझ नहीं पा रही। बेशक, भाजपा को विरोध का बड़ा चुनावी मुद्दा मिल गया है।

ब्लॉग विश्व पर्यावरण दिवस (05 जून) पर विशेष

समय रहते समझें, प्रकृति के संकेत, पर्यावरण संरक्षण को, हरदम रहें सचेत

"प्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिए-हमारे भविष्य के लिए" थीम पर मनेगा दिवस

मुकेश कुमार शर्मा

साल तापमान में हो रही बढ़ोत्तरी से भीषण गर्मी की मार झेल रहे लोग, आग की लपटों से झुलसते जंगल, समुद्र का बढ़ता जल स्तर, पिघलते ग्लेशियर साफ़ संकेत दे रहे हैं कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति अब भी न चेते तो बहुत देर हो जाएगी। इन संकेतों को गंभीरता से लेते हुए आज जल, जंगल और जमीन को बचाने के लिए बड़े पैमाने पर मुहिम चलाने की जरूरत है। वायु, जल और ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के जरूरी कदम उठाये जाएँ। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता की अलख जगाने के लिए ही हर साल पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इसका मकसद लोगों को सचेत करना है कि भावी पीढ़ी को धरती पर स्वस्थ वातावरण, हरित विकास प्रदान करना है तो आज ही उसके लिए वह सभी जरूरी कदम उठाएं जिससे पर्यावरण हरा-भरा, स्वच्छ और सुरक्षित बने। इस साल विश्व पर्यावरण दिवस की थीम-"प्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिए –हमारे भविष्य के लिए" तय की गयी है।

पर्यावरण को नुकसान पहुँचाने का एक प्रमुख कारण ग्रीन हाउस गैसों जैसे- कार्बन डाइआक्साइड का बड़ी मात्रा में उत्सर्जन है, जिसके कारण जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और मौसम चक्र में बदलाव जैसी विभीषिका का अंदेशा बना हुआ है। इसके चलते ही लगातार तापमान में वृद्धि हो रही है, समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है और ग्लेशियर पिघल रहे हैं। जलवायु वैज्ञानिकों का तो यहाँ तक मानना है कि ग्रीन हॉउस गैसों का उत्सर्जन इसी तरह जारी रहा तो 21वीं सदी में तापमान तीन डिग्री से अधिक बढ़ सकता है। पेट्रोल-डीजल मोटर गाड़ियों की बढ़ती तादाद और कारखानों से निकलने वाले कचरे भी वायु और पर्यावरण को दूषित कर रहे हैं। इस समस्या से निजात पाने के लिए इलेक्ट्रानिक वाहनों को बढ़ावा देना होगा और सार्वजनिक वाहनों से यात्रा को प्राथमिकता देनी होगी ताकि कार्बन डाइआक्साइड के बड़ी मात्रा में उत्सर्जन में कमी लाने के साथ ही धूल और धुएं के प्रदूषण में भी कमी आ सके। धरती की शोभा को बढ़ाने वाले हरे-भरे पेड़ों की जगह कंक्रीट के जंगल ले रहे हैं, बन रहीं ऊँची-ऊँची अट्टालिकाएं और कारखाने एक ओर जहाँ हमें आधुनिकता का भान करा रहे हैं वहीँ यह सभी पर्यावरण को भी भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। ऑक्सीजन की समस्या से लोग जूझ रहे हैं, बीमारियाँ पाँव पसार रही हैं। कई वन्य जीवों और पौधों की प्रजातियाँ विलुप्त होने की कगार पर हैं। इसके लिए जरूरी है कि वृक्षारोपण को प्राथमिकता देते हुए उसकी देखभाल पर पूरा जोर दिया जाए ताकि लोगों को जरूरत भर की ऑक्सीजन आसानी से मुफ्त मिल सके। यह अनिवार्य बना देने की जरूरत है कि निर्माण कार्यों के लिए जितने पेड़ों को काटा जाए, उसका दोगुना वृक्षारोपण किया जाए। अंधाधुंध हो रही खदान पर भी लगाम लगाते हुए धरती की उर्वरा शक्ति को बनाये रखना होगा तभी जरूरत के मुताबिक़ लोगों को खाद्य सामग्री और पीने का पानी नसीब हो सकेगा। इसी के चलते जल स्तर में भी निरंतर गिरावट देखी जा रही है। सिंगल यूज प्लास्टिक के बढ़ते चलन पर पूरी तरह रोक लगानी होगी क्योंकि यह एक बड़े पर्यावरण प्रदूषण को जन्म दे रही है। ज्ञात हो कि आज प्लास्टिक, ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण का बहुत बड़ा कारण बन चुकी है क्योंकि यह जल्दी नष्ट नहीं होती। इसलिए इसको चलन से बाहर करने में ही सभी की भलाई है।

पर्यावरण संरक्षण में युवा वैज्ञानिक, स्कूल-कॉलेज के बच्चे बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। यह पीढ़ी सोशल मीडिया या अन्य डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूक करने के साथ ही उसके लिए उठाये जाने वाले जरूरी क़दमों के लिए प्रेरित भी कर सकती है। युवा वर्ग अपनी दिनचर्या में उन छोटी-छोटी आदतों को अपना सकता है, जो पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में सहायक बन सकते हैं, जैसे- सिंगल यूज प्लास्टिक से पूरी तरह दूरी बना लेना, सार्वजनिक वाहनों या साइकिल का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करना, वृक्षारोपण और उसकी देखभाल को पसंदीदा शौक बना लेना आदि। वृक्षारोपण और सफाई अभियानों में अपना बहुमूल्य समय देकर वह समाज के लिए प्रेरणास्रोत बन सकते हैं। युवा वैज्ञानिक भी कूड़ा-कचरा निस्तारण की आधुनिक तकनीक अपनाने और सौर ऊर्जा को प्राथमिकता देने के लिए लोगों को प्रेरित कर सकते हैं और समय-समय पर अपने शोध से उसमें और सुधार भी ला सकते हैं। बढ़ता पर्यावरण प्रदूषण देश की अर्थव्यवस्था पर भी प्रभाव डाल रहा है। इसकी वजह से बढ़ती बीमारियों से निपटने के लिए एक बड़ी राशि खर्च करनी पड़ रही है। सीमित प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ती आबादी का भी दबाव साफ़ देखा जा सकता है। शहरीकरण के चलते कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है। उर्वरा शक्ति की कमी के चलते अनाज की पैदावार में भी निरंतर कमी देखी जा रही है। यही स्थिति रही तो आने वाली पीढ़ी को भरपेट भोजन और पीने के लिए स्वच्छ जल तक मिलना मुश्किल हो जायेगा। इसी भयावह स्थिति का अंदाजा लगाते हुए ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 1972 में पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस की शुरुआत की थी क्योंकि तब तक पर्यावरण प्रदूषण वैश्विक समस्या का रूप अख्तियार कर चुका था। "केवल एक पृथ्वी" स्लोगन के साथ पहला विश्व पर्यावरण दिवस वर्ष 1973 में मनाया गया ताकि पर्यावरण प्रदूषण के हर संभावित जोखिम के बारे में वैश्विक स्तर पर लोगों को आगाह किया जा सके और उससे बचने के उपायों के बारे में हर जरूरी सन्देश भी लोगों तक पहुंचाए जा सकें।

(लेखक पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं)

यूपी में चार का कत्ल: बेटा मां-बाप का न हुआ सगा, दोस्त ने दोस्त को दिया दगा; शनि ने बताया अभिषेक को क्यों मारा

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज के वैश्य परिवार हत्याकांड में पारिवारिक रिश्तों और दोस्ती पर भरोसे की ऐसी रूह कंपा देने वाली कहानी सामने आई, जिसे सुनकर हर कोई स्तब्ध है। लोग भरोसा नहीं कर पा रहे कि एक मकान के भीतर माता-पिता और बेटे के रिश्ते की दीवार कब दरक कर भरभरा गई। बेटे के सामने पूरे परिवार को खत्म करने तक की नौबत आ गई।

जिस दोस्त को परिवार के ऊपर रखकर उनकी हत्या के लिए चुना, वहां भी दगाबाजी सामने आई। पहले अभिषेक ने शनि को बंटवारे में वाजिब हिस्सा नहीं दिया, फिर शनि ने सारे जेवर हड़पने के लिए दोस्त का ही कत्ल कर दिया। यानी कौन किस पर भरोसा करे।।। यह बात सभी के मन में कौंध रही है। घटना स्थल पर लोग यही कहते सुने गए कि बेटा मां-बाप का सगा न हुआ और दोस्त ने दोस्त को दगा दे दिया।

आरोपी शनि गुप्ता समोसे-कचौड़ी की दुकान चलाता था। दोनों के बीच सिर्फ कारोबारी संबंध नहीं थे, बल्कि कई वर्षों पुरानी गहरी दोस्ती थी। दोनों अक्सर साथ बैठकर शराब पीते थे। घंटों समय बिताते थे। इसी दोस्ती का फायदा उठाकर अभिषेक ने परिवार के तीन सदस्यों की हत्या में शनि को शामिल किया। बाद में लालच में आकर शनि ने अभिषेक को भी मौत के घाट उतार दिया।

प्रयागराज सामूहिक हत्याकांड में खुलासा

प्रयागराज के साउथ मलाका सब्जी मंडी चौराहा स्थित मकान में कारोबारी वीरेंद्र कुमार वैश्य, उनकी पत्नी अनीता, बेटी मीनाक्षी और बेटे अभिषेक की हत्या की गुत्थी पुलिस ने 12 घंटे में सुलझा ली। पुलिस का दावा है कि बड़े बेटे अभिषेक ने घर में लूट के इरादे से अपने दोस्त शनि गुप्ता के साथ मिलकर माता-पिता और बहन की हत्या की थी। बाद में डेढ़ करोड़ रुपये के जेवरात के बंटवारे को लेकर हुए विवाद में शनि ने अभिषेक को भी मौत के घाट उतार दिया। पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार ने बुधवार को प्रेसवार्ता कर घटना का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि मुट्ठीगंज निवासी आरोपी शनि को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके कब्जे से एक किलो सोना, 360 ग्राम चांदी, एक हजार रुपये नकदी और ताले की चाभी बरामद की है। वारदात रविवार शाम पांच से छह बजे के बीच अंजाम दी गई। आरोपी शनि ने पूछताछ में बताया कि अभिषेक पिता से नाराज था। पुलिस आयुक्त के मुताबिक, वर्ष 2022 में पिता ने अभिषेक को भी संपत्ति से बेदखल कर दिया था। अभिषेक कर्ज में डूबा था।

भरोसे के सवाल पर बढ़ा था दोनों में विवाद

मुट्ठीगंज निवासी आरोपी शनि गुप्ता ने बताया कि घर से गहने लूटने के बाद अभिषेक उसे पूरा हिस्सा नहीं दे रहा था। बार-बार कह रहा था कि अभी इतना सामान ले जाओ, बाकी बाद में हिसाब कर लेंगे। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। शनि ने बताया कि विवाद के दौरान उसने अभिषेक से भरोसे को लेकर सवाल किया? कहा कि जब तुम संपत्ति के लिए अपने माता-पिता के नहीं हुए तो मुझे बचा हुआ हिस्सा क्यों दोगे? तुम पर कैसे भरोसा किया जा सकता है। इसके बाद मामला बढ़ गया और दोनों के बीच गालीगलौज होने लगी। गुस्से में आकर लोहे की रॉड से अभिषेक के सिर पर हमला कर दिया, जिसमें उसकी मौत हो गई।

भांजे की शिकायत पर दर्ज हुई एफआईआर

कीडगंज निवासी मंजीत केसरवानी ने पुलिस को तहरीर देकर घटनाक्रम की जानकारी दी। कोतवाली पुलिस ने हत्या, साजिश, लूट समेत अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई। जिस बेटे को माता-पिता ने दुलार और प्यार से बड़ा किया, उसी ने अपने दोस्त के साथ मिलकर पूरे परिवार को खत्म करने की साजिश रच डाली। घटना से स्तब्ध पड़ोसी और रिश्तेदार इस सच्चाई को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। मोहल्ले के बुजुर्गों का कहना है कि कारोबारी वीरेंद्र कुमार वैश्य अपने बेटे अभिषेक से बेहद लगाव रखते थे। बचपन में वह उसे अक्सर गोद में उठाकर बाजार और रिश्तेदारों के यहां ले जाया करते थे। परिवार में अभिषेक को सबसे ज्यादा प्यार मिलता था। उसकी मां अनीता वैश्य भी उसे अपना लाडला मानती थीं।

बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए जीवनभर मेहनत की

एक बुजुर्ग पड़ोसी ने बताया कि वीरेंद्र ने अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए जीवनभर मेहनत की। कारोबार खड़ा किया। संपत्ति बनाई और बच्चों को किसी चीज की कमी नहीं होने दी। उन्हें शायद कभी यह अंदाजा नहीं रहा होगा कि जिस बेटे को उन्होंने इतने प्यार से पाला, वही एक दिन उनकी मौत की वजह बनेगा।

छोटी-छोटी बातों पर करता था विवाद

पड़ोसियों ने बताया कि अभिषेक की संगत अच्छी नहीं थी। वह धीरे-धीरे नशे का आदी हो गया था। अक्सर उसे दोस्तों के साथ शराब पीते देखा जाता था। वह छोटी-छोटी बातों पर विवाद भी कर लेता था। इन हरकतों से परिवार भी परेशान रहता था। रिश्तेदारों ने भी उससे दूरी बना ली थी। परिवार के भीतर चल रहे तनाव की चर्चा भी समय-समय पर होती रहती थी।

उम्मीद थी कि समय के साथ सुधर जाएगा

अभिषेक।।।

एक बुजुर्ग पड़ोसी ने बताया कि वीरेंद्र और अनीता अपने बेटे को सही रास्ते पर लाने की कोशिश करते रहे, लेकिन उनकी सफल नहीं हो सके। परिवार को उम्मीद थी कि समय के साथ उसका व्यवहार सुधर जाएगा। आखिरकार संपत्ति विवाद, आर्थिक दबाव और गलत संगत ने उसे ऐसे रास्ते पर पहुंचा दिया, जहां उसने अपने ही परिवार के खिलाफ साजिश रच डाली।

दोनों ने बीयर और सिगरेट पी

रविवार दोपहर अभिषेक ने शनि को अपनी दुकान पर बुलाया। दोनों ने साथ बैठकर कचौड़ी खाई। बीयर और सिगरेट पी। इस दौरान परिवार की हत्या कर जेवर लूटने की साजिश रची। शाम करीब पांच बजे रोजाना की तरह मीनाक्षी नीचे दुकान खोलने आई। जैसे ही उसने सीढ़ियों का दरवाजा खोला, अभिषेक ने लोहे की रॉड से उसके सिर पर वार कर दिया। शनि ने उसे धक्का दिया और दोनों उसे घसीटते हुए ऊपर ले गए। गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बहन की हत्या के बाद दोनों ऊपर कमरे में पहुंचे। वहां पिता वीरेंद्र और मां अनीता दोनों सो रहे थे।

आरोपियों ने उन पर भी लोहे की रॉड और पाइप से ताबड़तोड़ वार किए। सिर पर गंभीर चोट लगने से दोनों की मौत हो गई। इसके बाद दोनों ने अलमारी खंगाली और घर में रखे जेवर और कीमती सामान समेट लिए। वहीं, जांच में पता चला की शनि के बाल व डाढ़ी काफी लंबे थे घटना के बाद उसने पहचान छुपाने की नियत से बाल व डाढ़ी का कटवा दिया। साथ ही शव को बाहर निकालते वक्त आरोपी ने खुद भी मदद की थी। इस दौरान उसके हाथों में पट्टी बंधी थी जो हत्या के दौरान उसे चोट लगी थी, जब पुलिस ने पूछा तो उसने बताया कि उसे कुत्ते ने काट लिया था।

मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में बाहरी प्रभाव की चर्चा, कुछ नामों को लेकर उठे सवाल

सुलतानपुर। राजकीय मेडिकल कॉलेज सुल्तानपुर की ओपीडी व्यवस्था को लेकर एक बार फिर विभिन्न स्तरों पर चर्चाएं तेज हो गई हैं। मरीजों एवं विभागीय सूत्रों के अनुसार मेडिकल कॉलेज परिसर में कुछ बाहरी व्यक्तियों की सक्रियता को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। सूत्रों का दावा है कि मिश्रा, राय एवं सिंह उपनाम से पहचाने जाने वाले कुछ व्यक्तियों की गतिविधियां लंबे समय से चर्चा का विषय बनी हुई हैं। हालांकि इन व्यक्तियों के विरुद्ध लगाए जा रहे आरोपों की स्वतंत्र एवं आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। सूत्रों के अनुसार उक्त व्यक्तियों की कथित सक्रियता मेडिकल कॉलेज के विभिन्न विभागों के आसपास देखे जाने की चर्चा है। यह भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि कुछ बाहरी लोग मरीजों को प्रभावित करने तथा चिकित्सकों द्वारा लिखी जाने वाली दवाओं के संबंध में अप्रत्यक्ष रूप से हस्तक्षेप करने का प्रयास करते हैं।

दु:ख दूरियां कार्यक्रम संपन्न, 251 महिलाओं ने ग्रहण किया प्रसाद

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। कटका क्लब सामाजिक संस्था के तत्वावधान में गुरुवार को गोसाईंगंज थाना क्षेत्र के बनमई गांव में दु:ख दूरियां कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक समरसता, आपसी सहयोग तथा जनकल्याण की भावना को बढ़ावा देना रहा। आयोजन का नेतृत्व संस्था से जुड़े राज देव वर्मा ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता करते हुए सामाजिक एवं धार्मिक विषयों पर चर्चा की। इस अवसर पर राम जीत वर्मा ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में एकता, भाईचारे और पारस्परिक सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बनने की प्रेरणा मिलती है, जिससे समाज अधिक सशक्त और संवेदनशील बनता है। कटका क्लब सामाजिक संस्था के अध्यक्ष डॉ. सौरभ ने संस्था की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि संस्था समाजसेवा, पर्यावरण संरक्षण और जनजागरण के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय है। उन्होंने कहा कि संस्था का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहयोग और संवेदनशीलता का भाव पहुंचाना है, ताकि जरूरतमंदों को समय पर सहायता मिल सके। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने गुड़, चना और लाई का प्रसाद ग्रहण किया तथा श्रद्धापूर्वक अवसान माता की कथा का श्रवण किया। धार्मिक एवं सामाजिक वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। महिलाओं की विशेष उपस्थिति रही और गीता देवी, मंजू देवी, किरन वर्मा, अनिता, सुमन, संगीता तथा ज्योति सहित कुल 251 महिलाओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के समापन पर समाज की सुख-समृद्धि, क्षेत्र के विकास एवं जनकल्याण की कामना की गई। आयोजकों ने सभी उपस्थित ग्रामीणों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया।

टुल्लू पंप बना काल : करंट की चपेट में आई महिला, बचाने गए पिता-पुत्र की मौत, महिला की हालत गंभीर

आर्यावर्त संवाददाता

मऊ। मऊ जिले के रामपुर बेलौली थाना क्षेत्र के मोइद्दीनपुर के प्यारेपुर मिश्र में एक घर में बृहस्पतिवार की सुबह टुल्लू पंप में करंट उतरने से नहाने गई महिला उसकी चपेट में आ गई। इसे देख उसे बचाने गए उसके पति और बेटे ने महिला को बचा लिया लेकिन खुद करंट की जद में आने से गंभीर रूप से झुलस गए। जहां दोनों की मौत हो गई, वहीं महिला की हालात भी गंभीर बनी हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाने की कार्रवाई की।

जानकारी के अनुसार प्यारेपुर मिश्र निवासी मीना देवी बृहस्पतिवार की सुबह नहाने के लिए घर के आंगन में लगा टुल्लू पंप चालू करने गई। केबिल कटे होने के चलते करंट प्रवाहित होने से वह उसकी जद में आ गई। इस बीच घर के दूसरे कमरे में बैठे मीना के पति देवेंद्र मिश्रा (48 वर्ष) और उनका बेटा नीरज (26 वर्ष) दौड़कर वहां पहुंचे और करंट से मीना को बचाने के प्रयास में जुटे। दोनों ने मीना को हटा दिया, लेकिन खुद करंट की जद में आकर गंभीर रूप से झुलस गए। इस बीच करंट के एक झटके से नीरज दूर जा गिरा, जहां उसके सिर में भी गंभीर चोट लग गई। घटना की जानकारी होने पर पड़ोसी पुलिस को सूचना देने के साथ ही तीनों को फतेहपुर मंडाव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने देवेंद्र और नीरज को मृत घोषित कर मीना का प्राथमिक उपचार कर उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

दो शव मिलने से मचा हड़कंप : कमरे व बाथरूम के पास मिलीं लाशें, हत्या या आत्महत्या?

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी कमिश्नरेट के चोलापुर थाना क्षेत्र के बनियापुर गांव में साथ रहने वाले दो युवकों अभिजीत गांगुली और निहाल सिंह के संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिले। एक युवक का शव कमरे के भीतर जबकि दूसरे का शव बाथरूम के पास मिला। मौके से सल्फास का पैकेट बरामद होने तथा दोनों के मुंह से झाग निकलने की जानकारी के बाद पुलिस हत्या, आत्महत्या और अन्य संभावित कारणों समेत सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है।

ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची चोलापुर पुलिस ने घटनास्थल से शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसीपी, डीसीपी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल से साक्ष्य संकलित किए गए हैं।

जानकारी के अनुसार, मृतकों में से एक अभिजीत गांगुली का शव कमरे के अंदर पड़ा मिला, जिसके सिर से खून निकल रहा था। वहीं दूसरे युवक निहाल सिंह का शव बाथरूम के पास बरामद हुआ। दोनों के पास से सल्फास का एक पैकेट भी मिला है। प्रारंभिक जांच में दोनों के मुंह से झाग निकलने की बात सामने आई है, जिससे जहरीले पदार्थ के सेवन की आशंका भी जताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दोनों युवक शराब पीने के आदी थे और लंबे समय से साथ रह रहे थे।

डीसीपी प्रमोद कुमार ने बताया कि दोनों मृतक अविवाहित थे और एक ही स्थान पर साथ रहते थे। एक शव कमरे में तथा दूसरा बाथरूम के पास मिला है। मौके की परिस्थितियों को देखते हुए हत्या और आत्महत्या दोनों कारणों की जांच की जा रही है। फॉरेंसिक टीम की रिपोर्ट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और वैज्ञानिक जांच के बाद ही चल सकेगा। फिलहाल पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा मृतकों के मोबाइल फोन और अन्य वस्तुओं की भी जांच की जा रही है। इस दोहरे मौत के मामले ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस का कहना है कि सभी तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष जांच की जा रही है तथा जल्द ही घटना के कारणों का खुलासा किया जाएगा।

तालाब में डूबकर भाई-बहन समेत तीन मासूमों की मौत, कपड़े धोने में व्यस्त थी मां, मुख्यमंत्री योगी ने जताया शोक

आर्यावर्त संवाददाता

हमीरपुर। हमीरपुर जिले में बिवांर थाना क्षेत्र के छानी खुर्द गांव में गुरुवार को दर्दनाक हादसा हो गया। गांव के पास स्थित तालाब में नहाते समय सगे भाई-बहन समेत तीन मासूम बच्चों की डूबने से मौत हो गई। एक ही परिवार के तीन बच्चों की मौत से गांव में शोक की लहर दौड़ गई, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव निवासी पार्वती पत्नी रमेश धोबी गुरुवार को अपने बच्चों शिवेंद्र (10), रुद्रांश (8) और मांडवी (5) के साथ गांव के बाहर स्थित तालाब पर कपड़े धोने गई थीं। बताया गया कि पार्वती तालाब किनारे कपड़े धो रही थीं, जबकि तीनों बच्चे नहाने के लिए पानी में उतर गए। इसी दौरान बच्चे गहरे पानी में पहुंच गए और डूबने लगे।

सीएम योगी ने जताया शोक, अधिकारियों को दिए मदद के निर्देश

छानी खुर्द गांव में तालाब में डूबने से तीन बच्चों की मौत की घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए अधिकारियों को प्रभावित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

ग्रामीणों ने खोजबीन कर बच्चों को बाहर निकाला

काफी देर तक बच्चों के नजर न आने पर आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने तालाब में खोजबीन कर तीनों बच्चों को बाहर निकाला और आनन-फानन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छानी बुजुर्ग ले गए। वहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया।

मौत की खबर गांव पहुंचते ही छा गया मातम

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। एक ही परिवार के दो बेटों और एक बेटी की मौत की खबर गांव पहुंचते ही मातम छा गया। परिजनों के विलाप से अस्पताल और गांव का माहौल गमगीन हो गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौके पर जुट गए।

भाई-बहन समेत तीन मासूमों की मौत

मौदहा क्षेत्राधिकारी राजकुमार पांडेय ने बताया कि छानी खुर्द गांव में मां के साथ तालाब पर गए दो पुत्र और एक पुत्री नहाते समय पानी में डूब गए। ग्रामीणों द्वारा तीनों बच्चों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

एक पल में उजड़ गई पार्वती की दुनिया

गुरुवार सुबह तक जिस मां के आंगन में तीन बच्चों की किलकारियां गूंज रही थीं, शाम होते-होते वही आंगन सूना हो गया। कपड़े धोने के दौरान हुई चूक ने पार्वती से उसके दो बेटे और एक बेटी छीन लिए। हादसे के बाद गांव में हर आंख नम दिखाई दी।

सौतेला पिता बना हैवान: चार साल की बेटी की हत्या कर खेत में दफनाया, फ्रॉक मिली, शव की तलाश जारी

आर्यावर्त संवाददाता

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में चार साल की बच्ची प्रिया की हत्या कर खेत में दफन करने के मामले में आरसी मिशन थाना पुलिस ने आरोपी सौतेले पिता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को मासूम के शव की तलाश के लिए खोदाई कराई। इस दौरान एक खेत में बच्ची की फ्रॉक मिली है, जिसे उसकी मां ने पहचाना है। हालांकि, शव बरामद नहीं हो पाया है।

थाना तिलहर क्षेत्र के गांव गोबरसंडा निवासी रामस्वरूप की बेटी दिव्यांशी ने आरसी मिशन थाना में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि चार माह पूर्व पति से अनबन के बाद अलग हो गई थी। उसके साथ चार साल की बेटी प्रिया थी। इसके बाद उसने मंदिर में कांट के मानपुर गांव के रहने वाले अखिलेश से शादी कर ली। दोनों लोग आरसी मिशन क्षेत्र के मोहल्ला ताहवरगंज में आकर किराए पर रहने लगे।

आरोप: पीट-पीटकर मासूम बेटी को मार डाला

कुछ दिनों तक तो ठीक-ठाक रहा फिर अखिलेश हदें पार करने लगा। दिव्यांशी का उत्पीड़न करता था और विरोध पर चार साल की बेटी प्रिया को बेरहमी से पीटता था। आरोप है कि चार मई की सुबह सात से आठ बजे के बीच अखिलेश ने दिव्यांशी को नशीला पदार्थ पिला दिया। इसी बीच उसने मासूम प्रिया की पीट कर हत्या कर दी। इसके बाद इलाज के बहाने कार में डालकर दिव्यांशी और प्रिया को अपने गांव मानपुर ले गया। यहां खेत में प्रिया का शव दफन कर दिया और दिव्यांशी को अपनी बहन रजनी के घर फर्रुखाबाद के कायमगंज छोड़ आया।

पत्नी को रोहतक में छोड़कर भाग आया था आरोपी

आरोप है कि मासूम के शव को दफन करते समय दिव्यांशी के ससुर सुरेंद्र और सास तारा भी मौजूद थी। इसके बाद अखिलेश दिव्यांशी को रोहतक ले गया और वहां छोड़कर भाग गया। दिव्यांशी को उसका चचेरा भाई सुनील लेकर आया और पुलिस को तहरीर दी। तब पुलिस ने जांच शुरू की तो बच्ची की हत्या का मामला उजागर हुआ। आरोपी ने बताया कि उसने कांट इलाके में बच्ची का शव दफनाया है।

बृहस्पतिवार सुबह करीब 7:30 बजे से कांट थाना क्षेत्र के महानपुर गांव के पूर्व स्थित खेत में पुलिस की निगरानी में दो जेसीबी मशीनों से खोदाई कराई गई। पुलिस को बच्ची की एक फ्रॉक खोदाई में मिली है, जिसकी पहचान उसकी मां दिव्यांशी ने की। बेटी की फ्रॉक देखकर दिव्यांशी रो-रोकर बेसुध हो गई।

बेटी की फ्रॉक देख बेसुध हुई मां

फ्रॉक मिलने के बाद पुलिस को मामले में एक महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगा है। हालांकि खोदाई के बावजूद बच्ची का शव बरामद नहीं हो सका। पुलिस के अनुसार, आरोपी अखिलेश ओर उसका पिता सुरेंद्र घटनास्थल की सटीक पहचान नहीं कर पा रहा है। इसके कारण शव दफनाने की सही जगह चिह्नित करने में दिक्कत आ रही है।

इसी वजह से खेत के विभिन्न हिस्सों में खोदाई कराई जा रही है। पुलिस ने पूरे क्षेत्र को अपने कब्जे में लेकर जांच तेज कर दी है। मामले में नामजद मुख्य आरोपी अखिलेश समेत दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। सीओ सदर प्रयांक जैन ने बताया कि शव बरामद करने और घटना से जुड़े सभी तथ्यों को सामने लाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

दुर्गा धाम देवनगर में उमड़ा रामभक्तों का जनसैलाब

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। कन्हाइन समिति, खानपुर पिलाई कोट के सौजन्य से जनपद सुल्तानपुर के पूर्वी छोर स्थित ब्लॉक अखंडनगर तथा पड़ोसी जनपदों अंबेडकरनगर, आजमगढ़ एवं जौनपुर में निवास करने वाले कछवाहा वंशी क्षत्रियों एवं रक्त संबंधियों की कुलदेवी जमवाय माता मंदिर, दुर्गा धाम देवनगर में भव्य रामकथा का आयोजन किया गया। पांच दिवसीय रामकथा का शुभारंभ 29 मई को हुआ, जिसका समापन 2 जून को कथा पूर्णाहुति तथा 3 जून को हवन-पूजन एवं भव्य भंडारे के साथ संपन्न हुआ। अयोध्या धाम से पधारीं पूज्य देवी सुनैना कृष्णा जी ने श्रद्धालुओं को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की दिव्य एवं प्रेरणादायी कथा का रसपान कराया। समिति के सदस्यों द्वारा क्षेत्र के लगभग 52 गांवों में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाकर श्रद्धालुओं से रामकथा में सम्मिलित होने का आह्वान किया गया। इसके परिणामस्वरूप क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया तथा देवी जी के श्रीचरणों में श्रद्धापूर्वक प्रणाम अर्पित किया। इस धार्मिक आयोजन में सदर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय, डॉ. जय प्रकाश दूबे (आरके हॉस्पिटल, शाहगंज), पंकज वर्मा पुत्र सीताराम वर्मा (विधायक लंभुआ), गिरिजेश सिंह, पंचदेव सिंह (प्रधानाचार्य, इंटर कॉलेज रुद्रपुर खटीमा), जय प्रकाश सिंह (पूर्व प्रवक्ता), जितेंद्र सिंह (प्रवक्ता), अद्या प्रसाद सिंह (प्रवक्ता), डॉ. महारुद्र सिंह (प्रवक्ता) सहित क्षेत्र के सैकड़ों गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर पुण्य लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति अध्यक्ष बाबू सुरेश सिंह के नेतृत्व में बाबू अनिल सिंह, प्रेमचंद सिंह, सीताराम वर्मा (प्रधान), स्वतंत्र और मनोज प्रभाकर सिंह ने विशेष योगदान प्रदान किया।

गर्मी की छुट्टियों को बनाएं खास, बच्चों को खेल-खेल में सिखाएं ये कमाल की चीजें

बच्चों की गर्मियों की छुट्टियों में आप उन्हें कुछ ऐसी चीजें खेल–खेल में सिखा सकते हैं जो डेली लाइफ में काम आ सकती हैं। इससे उनका समर वेकेशन भी मजेदार बन जाएंगी और स्क्रीन टाइम भी कम होगा।

गर्मी की छुट्टियां चल रही हैं। इसके लिए बच्चे बेहद एक्साइटेड रहते हैं, लेकिन अब ज्यादातर बच्चे फोन में लगे रहते हैं। जरूरी है कि आप उन्हें स्क्रीन से जितना हो सके दूर रखें। समर वेकेशन बहुत अच्छा टाइम है जब आप बच्चों को मजेदार तरीकों से अलग-अलग चीजें सिखा सकते हैं और इसके लिए आपको कहीं बाहर जाने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। इस आर्टिकल में जानेंगे ऐसी ही 5 एक्टिविटी के बारे में जिससे बच्चा सीखेगा भी और जिम्मेदार भी बनेगा साथ ही एंजॉय करेगा।

समर वेकेशन में वैसे तो समर कैंप से लेकर ट्रिप प्लान करना, बच्चों को लाइब्रेरी, म्यूजियम जैसी जगहों को एक्सप्लोर कराना बेहतरीन आइडिया है तो वहीं पेरेंट्स घर में ही रहकर बच्चों को कमाल की चीजें सिखा सकते हैं जो उनके फ्यूचर में भी काम आएंगी और बच्चे किताबों से दूर भी नहीं होंगे।

खाना बनाना सिखाएं

लाइफ में सर्वाइव करने के लिए जरूरी है कि बच्चे को कम से कम खाना बनाना आना चाहिए। इसके लिए आप बहुत भारी-भरकम काम न दें, बल्कि उन्हें खेल-खेल में कुछ सिंपल सी रेसिपीज तैयार करना सिखाएं। आप बच्चों को सैंडविच, सलाद, फ्रूट चाट बनाना सिखा सकते हैं। इनमें गैस ऑन करने की जरूरत भी नहीं होती है जिससे उन्हें दिक्कत नहीं होगी।

प्रकृति के करीब रखें

बच्चों को गर्मियों की छुट्टी में आप बागवानी करवा सकते हैं। इससे उनमें प्रकृति के प्रति जुड़ाव बढ़ेगा। उनकी फिजिकल और मेंटल हेल्थ भी दुरुस्त होगी। इसके अलावा आप उन्हें पक्षियों को दाना डालना, मछलियों को चारा देना, जैसी चीजें करवाएं। इस तरह की एक्टिविटी आपके बच्चों में विनम्रता का भाव लाएंगी जो आगे आने वाली लाइफ के लिए बेहद जरूरी है। इसके अलावा उन्हें अलग-अलग पौधों के नामों की जानकारी देना भी काफी इंट्रस्टिंग रहेगा।

किताबों से सुनाएं कहानियां

एक टाइम था जब बच्चे दादी-दादा, नानी-नाना से कहानियां सुनते हुए बड़े होते थे, लेकिन अब ये जैसे पुराने जमाने की बात हो गई है। इस गर्मी में आप अपने बच्चों को कहानियों वाली किताबें लाकर दें। उन्हों सोने के टाइम इसमें से पढ़कर कहानियां सुनाएं। इससे उन्हें न सिर्फ बहुत अच्छा महसूस होगा बल्कि किताबों को पढ़ने का इंट्रस्ट भी बढ़ेगा।

DIY क्राफ्ट मेकिंग

गर्मी की छुट्टियां चल रही हैं तो आप अपने बच्चों को इस टाइम DIY क्राफ्ट बनाना सिखा सकते हैं। इसके लिए आप घर में पड़ी बेकार चीजों का यूज करें। इससे दो फायदे होंगे एक सजावटी चीजें बन जाएंगी और खराब चीजों का रीयूज हो जाएगा। इससे आपका बच्चा वेस्ट मैनेजमेंट भी सीखेगा। इस तरह के क्राफ्ट बनाने के लिए आपको ऑनलाइन ढेरों तरीके मिल जाएंगे।

गर्मियों में शरीर को भरपूर हाइड्रेशन और ठंडक दे सकते हैं तरबूज के ये 5 पेय

गर्मियों में आने वाले फलों में से एक तरबूज में भरपूर पानी और कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जिस वजह से पोषण विशेषज्ञ इसे डाइट में शामिल करने की सलाह देते हैं।हालांकि, अगर आपका बच्चा या घर में से कोई व्यक्ति तरबूज का सेवन करना पसंद नहीं करता है तो आप इस फल को स्वादिष्ट पेय का रूप देकर उन्हें इसके फायदे दे सकते हैं।आइए आज हम आपको तरबूज के विभिन्न पेय की रेसिपी बताते हैं।

तरबूज लेमनेड

इसके लिए पहले एक जग में तरबूज का रस और थोड़ा नींबू का रस मिलाएं।अब एक सॉस पैन में चीनी और एक कप पानी उबालें। जब यह मिश्रण ठंडा हो जाए तो इसे तरबूज वाले मिश्रण में मिलाएं।इसके बाद इसे गिलास में भरें और बर्फ के कुछ टुकड़े डालकर इसका आनंद लें।यह पेय इम्यूनिटी को बढ़ावा देने और पाचन को सुधारने में भी मदद कर सकता है।यहां जानिए गर्मियों के लिए लाभदायक अन्य पेय।

तरबूज की स्मूदी

सबसे पहले मिक्सी में तरबूज के टुकड़े, दूध और बर्फ को डालकर अच्छे से ब्लेंड करें, फिर इसे परोसें।अगर आप दूध का इस्तेमाल करना पसंद नहीं करते हैं तो योगर्ट से स्मूदी तैयार कर सकते हैं।इसके अतिरिक्त आप इस स्मूदी को नारियल पानी, बर्फ और थोड़े सोडे के साथ भी इसे बना सकते हैं। बस इसमें अधिक तरबूज के टुकड़े डालें।यहां जानिए त्वचा के लिए लाभदायक स्मूदी की रेसिपी और उसके फायदे।

तरबूज मोजितो

यह मीठे-रसदार तरबूज, खट्टे नींबू और ताजे पुदीने का एक उत्तम मिश्रण है।इसे बनाने के लिए तरबूज के टुकड़ों को अच्छे से ब्लेंड करें और फिर इसे छान लें।अब एक गिलास में नींबू का रस, पुदीने के पत्ते और थोड़ी-सी चीनी या शहद डालकर अच्छे से मिलाएं, फिर इसमें बर्फ डालें और इसके ऊपर तरबूज का रस डालें।इसके बाद गिलास में सोडा पानी डालें, फिर इसमें तरबूज के कुछ छोटे टुकड़े डालकर इन्हें परोसें।

वॉटरमेलन चिया कूलर

इसे बनाने के लिए सबसे पहले तरबूज (बीज निकले हुए) को मिक्सी में पीस लें।अब इसे एक गिलास में छानकर नींबू के रस के साथ मिलाएं, फिर गिलास में थोड़ा काला नमक, बारीक कटी पुदीने की पत्तियां (वैकल्पिक) और शुगर सीरप (स्वादानुसार) मिलाएं।अंत में इसमें ठंडा पानी और चिया सीड्स डालें, फिर इस स्वादिष्ट पेय का आनंद लें।

तरबूज का फ्लेवर वॉटर

इसे बनाने के लिए सबसे पहले जार में तरबूज के छोटे-छोटे टुकड़े, थोड़ा सा नींबू का रस और तुलसी की ताजा पत्तियां डालें।अब इसमें ठंडा पानी और कुछ बर्फ के टुकड़े डालें। यकीनन यह आपको बहुत पसंद आएगा।आप चाहें तो ऐसे ही आइस्ड टी बना सकते हैं, बस इस मिश्रण में ग्रीन टी को बनाकर और ठंडा करके इसमें मिलाएं।यहां जानिए अन्य फ्लेवर वॉटर की रेसिपी।

गर्मियों की छुट्टियों में घंटों मोबाइल चला रहे हैं बच्चे, जानें कैसे कम करें स्क्रीनटाइम

गर्मियों की छुट्टियों में अक्सर ज्यादातर बच्चे टीवी और मोबाइल में पूरा दिन लगे रहते हैं। जो उनकी सेहत के लिए बिल्कुल भी अच्छा नहीं है। ऐसे में हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताने जा रहे हैं, जो बच्चे का स्क्रीनटाइम कम करने में मदद कर सकते हैं।

गर्मियों की छुट्टियां चल रही हैं, जिसमें बच्चे भी खूब मौज-मस्ती कर रहे हैं। न स्कूल जाने की टेंशन और न होमवर्क पूरा करने का लोड। ऐसे में ज्यादातर बच्चे दिनभर बस मोबाइल और टीवी पर चिपके रहते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि पूरा-पूरा दिन मोबाइल और टीवी देखने से बच्चे की हेल्थ पर कितना बुरा असर पड़ता है। वहीं, हाल ही में नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में की एक स्टडी में भी बताया गया है कि 6 घंटे से ज्यादा स्क्रीम टाइम हाई ब्लड प्रेशर का खतरा बढ़ा सकता है।

ऐसे में माता-पिता के लिए यह समझना जरूरी है कि बच्चों का स्क्रीन टाइम पूरी तरह बंद करने के बजाय उसे बैलेंस कैसे किया जाए। सही रूटीन, आउटडोर एक्टिविटीज, रचनात्मक खेल और परिवार के साथ समय बिताने जैसी आदतें बच्चों को स्क्रीन से दूर रखने में मदद कर सकती हैं। चलिए जानते हैं बच्चे की स्क्रीनटाइम कम करने के कुछ आसान तरीके।

स्क्रीनटाइम के लिए तय करें समय सीमा

गर्मियों की छुट्टियों में बच्चों को पूरी तरह से तो स्क्रीनटाइम से दूर नहीं रखा जा सकता है। लेकिन हां. उनका स्क्रीनटाइम कम जरूर किया जा सकता है। इसके लिए आपको एक समय सीमा तय करनी होगी। उसी समय सीमा में बच्चे को मोबाइल या टीवी देखने दिया जाए। इससे बच्चे धीरे-धीरे आदत में डाल लेंगे।

आउटडोर एक्टिविटी पर फोकस करें

बच्चे जितना घर के अंदर रहेंगे...टीवी और मोबाइल के तरफ उनका ध्यान उतना ज्यादा जाएगा। ऐसे में सबसे अच्छा है कि उन्हें थोड़ा बाहर लेकर आउटडोर एक्टिविटी कराई जाए। जैसे शाम को बच्चे को पार्क ले जाएं। वहां साइकिलिंग, बैडमिंटन, क्रिकेट और बाकी कोई भी फिजिकल एक्टिविटी में हिस्सा दिलाएं।

लॉन्ग ड्राइव पर घुमाएं बच्चों को

इसके अलावा माता-पिता बच्चों को छोटी-छोटी ट्रिप और लॉन्ग ड्राइव पर भी लेकर जा सकते हैं। सफर के दौरान बच्चों को सड़क किनारे लगे पोस्टर, बोर्ड और होर्डिंग पढ़ने के लिए कहें। इससे उनकी भाषा, शब्द ज्ञान और ऑब्जर्वेशन पावर बेहतर होती है। अगर गांव नजदीक हो तो बच्चों को गांव जरूर लेकर जाएं। गांव का माहौल, खेत-खलिहान, पेड़-पौधे और पारंपरिक जीवन बच्चों को अपनी जड़ों से जोड़ता है और उन्हें वास्तविक जीवन को समझने का मौका देता है।

जंक फूड और कोल्ड ड्रिंक से रखें दूर

खान-पान पर भी खास ध्यान देने की जरूरत है। इस मौसम में बच्चों को हरी सब्जियां, मौसमी फल, दही, छाछ और घर का पौष्टिक खाना देना चाहिए। जंक फूड और कोल्ड ड्रिंक से दूरी बनाना जरूरी है। सही दिनचर्या, खेलकूद, पढ़ाई और परिवार के साथ समय बिताने से यह गर्मी की छुट्टी बच्चों के लिए यादगार और बेहद प्रोडक्टिव बन सकती है।

क्रिएटिव एक्टिविटी में ध्यान लगाएं

स्क्रीनटाइम कम करने के लिए बच्चे को बिजी रखना बहुत जरूरी है। इतनी धूप में बच्चे को बाहर नहीं भेज पा रहे हैं तो घर में ही क्रिएटिव आर्ट और एक्टिविटी में उसे व्यस्त रखें। इसके लिए आप उसे ड्राइंग, पेंटिंग, कहानी पढ़ना, क्राफ्ट बनाना, म्यूजिक सीखना या पहेलियां सुलझाना जैसी एक्टिविटी कराएं। ये एक्टिविटी न केवल स्क्रीन टाइम कम करती हैं, बल्कि बच्चों की क्रिएटिविटी को भी बेहतर बनाती है।

परिवार के साथ समय बिताएं

जब माता-पिता बच्चों के साथ बोर्ड गेम खेलते हैं, बातचीत करते हैं या किसी एंटरटेनमेंट एक्टिविटी में शामिल होते हैं, तो बच्चे भी टीवी और मोबाइल से दूरी बना लेते हैं।

इस गेम से बच्चे शारीरिक रूप से रहेंगे मजबूत

उन्होंने बताया कि बच्चों को ज्यादा से ज्यादा बाहर खेलने के लिए प्रेरित करना चाहिए। क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन, साइकिलिंग, दौड़ और अन्य आउटडोर गेम बच्चों को शारीरिक रूप से मजबूत बनाते हैं। धूप, मिट्टी और बारिश से जुड़ाव बच्चों की इम्युनिटी और आत्मविश्वास दोनों बढ़ाता है। आज शहरों में कई समर कैंप भी शुरू हो चुके हैं, जहां बच्चे डांस, पेंटिंग, म्यूजिक, स्पोर्ट्स और नई स्किल्स सीख सकते हैं। ऐसे कैंप बच्चों की रचनात्मक सोच को बढ़ाने में मदद करते हैं।

परिवार के साथ बिताया गया समय बच्चों के भावनात्मक विकास के लिए भी फायदेमंद होता है।

खुद भी बनें रोल मॉडल

बच्चे अक्सर अपने माता-पिता की आदतों की नकल करते हैं। अगर घर के बड़े हर समय मोबाइल में व्यस्त रहेंगे, तो बच्चों से स्क्रीन टाइम कम करने की उम्मीद करना मुश्किल होगा। इसलिए माता-पिता भी स्क्रीन का कम से कम यूज करें। इससे बच्चे का भी ध्यान टीवी या मोबाइल पर कम जाएगा।

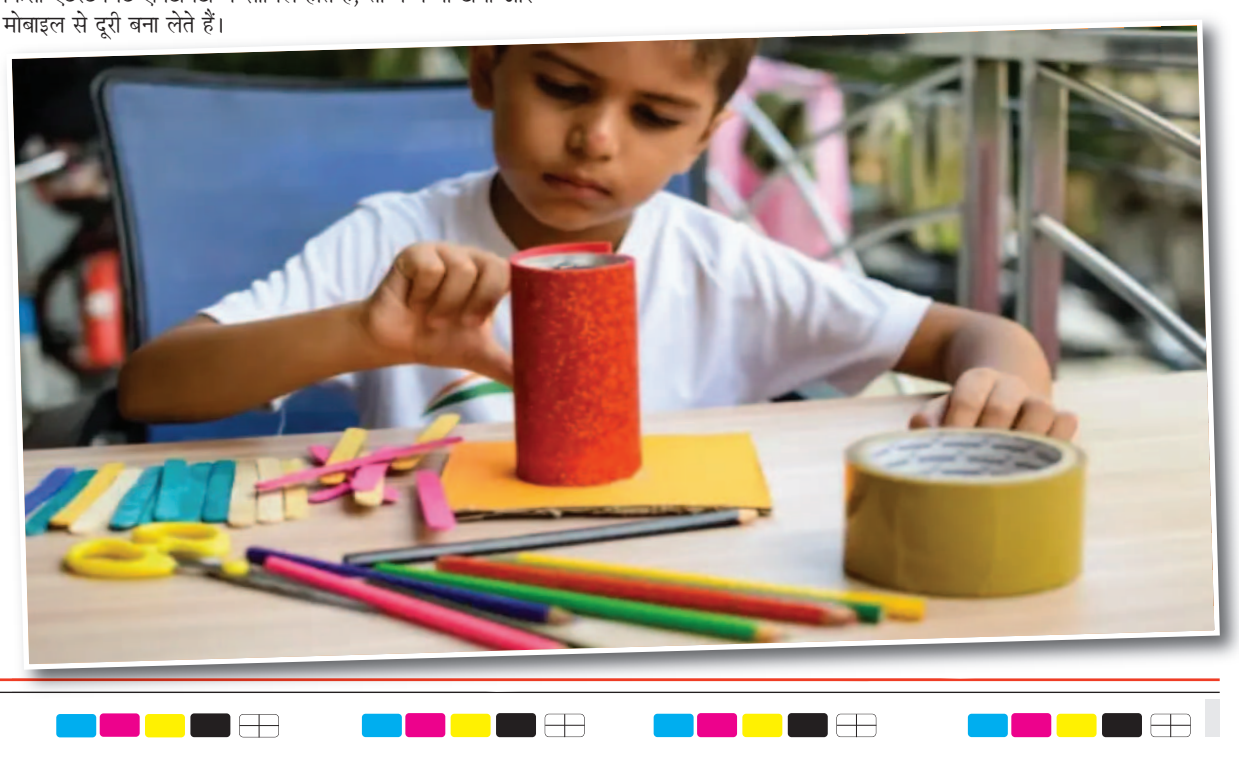

बाजार के उतार-चढ़ाव से डरे निवेशक : नए पंजीकरण से ज्यादा बंद हुए एसआईपी खाते, पर निवेश में नया रिकॉर्ड

एम्फी के ताजा आंकड़ों के अनुसार, म्यूचुअल फंड बाजार में एक अनोखा विरोधाभास देखा जा रहा है, जहां लगातार दूसरे महीने नए पंजीकरणों से ज्यादा एसआईपी खाते बंद या मैच्योर हुए हैं, वहीं कुल एसआईपी निवेश 31,115 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर बना हुआ है। बाजार के उतार-चढ़ाव और निफ्टी-50 की गिरावट से घबराकर छोटे व नए निवेशक भले ही एसआईपी रोक रहे हों, लेकिन पुराने और अनुभवी निवेशक अपनी निवेश राशि बढ़ाकर डटे हुए हैं।

भारतीय म्यूचुअल फंड बाजार से इन दिनों बड़े ही दिलचस्प और सिर चकरा देने वाले आंकड़े सामने आ रहे हैं। पहली नजर में ये आंकड़े पूरी तरह विरोधाभासी लग सकते हैं। एक तरफ जहां देश में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी बंद करने या रोकने वाले निवेशकों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है, वहीं दूसरी ओर हर महीने एसआईपी के जरिये म्यूचुअल फंड में आने वाला कुल निवेश नए रिकॉर्ड बना रहा है।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल मार्च और अप्रैल में एसआईपी स्टॉपेज रेश्यो लगातार दो महीने से 100 फीसदी से अधिक है। यानी देश में जितने नए एसआईपी खाते खुले नहीं, उससे ज्यादा बंद हो गए या पूरे हो गए। इसके बावजूद अप्रैल में कुल एसआईपी निवेश 31,115 करोड़ के स्तर पर बना रहा। अप्रैल में 50.71 लाख नए एसआईपी पंजीकरणों के मुकाबले 51.29 लाख एसआईपी खाते बंद या मैच्योर हुए। इससे स्टॉपेज रेश्यो 101 फीसदी पर पहुंच गया।

उद्योग के सामने अब नई चुनौती

अप्रैल के अंत तक कुल सक्रिय एसआईपी खातों की संख्या 9.65 करोड़ के मजबूत स्तर पर बनी रही। इसके साथ ही, कुल एसआईपी संपत्तियां बढ़कर 16.85 लाख करोड़ रुपये हो चुकी हैं, जो पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग का 20.6 फीसदी हिस्सा है। मजबूत इनफ्लो को देखते हुए उद्योग के सामने चुनौती अब नए निवेशक जोड़ना नहीं, बल्कि बेहतर शिक्षा के जरिये उन्हें कठिन बाजार में भी निवेशित बनाए रखना है।

इसलिए बढ़ा स्टॉपेज रेश्यो

यूटीआई एएमएसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (इक्विटी) अमित प्रेमचंदानी ने कहा, ये आंकड़े म्यूचुअल फंड पर भरोसा टूटने नहीं, बल्कि अधिक गतिशील खुदरा निवेशक आधार को दर्शाते हैं। एसआईपी बंद होने के कई कारण हो सकते हैं...जैसे निवेशक एक स्कीम से दूसरी बेहतर स्कीम में जा रहे हैं, फोलियो का एकीकरण कर रहे हैं या एक्टिव से पैसिव फंड की तरफ शिफ्ट हो रहे हैं। निफ्टी-50 में आई बड़ी गिरावट ने भी नए निवेशकों के धैर्य की परीक्षा ली है। एडलवाइस एमएफ के अध्यक्ष एवं बिक्री प्रमुख दीपक जैन कहते हैं, एसआईपी बंद होने का यह रुझान कम निवेश राशि वाले खातों, युवा आबादी और खुद से निवेश करने वाले प्लेटफॉर्म्स पर ज्यादा दिख रहा है। यह पहली बार निवेश करने वाले युवाओं के लिए सीखने की सामान्य प्रक्रिया है, जिसके बाद वे लंबी अवधि के निवेश के फायदों को समझ जाते हैं।

एसआईपी खाते बंद तो फिर निवेश रिकॉर्ड स्तर पर कैसे?

इस सवाल के पीछे दो बड़े कारण काम कर रहे हैं। पहला...छोटे निवेश वाले नए निवेशक भले ही बाजार के उतार-चढ़ाव को देखकर अपनी एसआईपी रोक रहे हों, लेकिन पुराने और अनुभवी खिलाड़ी टिके हैं। वे बाजार में आई गिरावट का फायदा उठाकर निवेश राशि को और बढ़ा रहे हैं। दूसरा...आजकल कई डिजिटल प्लेटफॉर्म अपने ग्राहकों को एसआईपी जैसी सुविधा देते हैं, जिसमें हर महीने बैंक खाते से एक निश्चित रकम कटती है। लेकिन, तकनीकी रूप से वह पैसा एसआईपी के बजाय ऑटोमेटेड लम्पसम के रूप में दर्ज होता है। यानी कई लोग जो कागजी तौर पर एसआईपी बंद कर चुके हैं, वे असल में इन प्लेटफॉर्म्स के जरिये नियमित निवेश कर रहे हैं, जो आंकड़ों में दिखाई नहीं देता।

अरबपतियों की लिस्ट में मची खलबली! इस कारोबारी ने जेफ बेजोस को छोड़ पीछे

देश की बड़ी टेक कंपनियों में शुमार Oracle के शेयरों की बढ़ती कीमतों ने इसके फाउंडर लैरी एलिसन को ब्लूमबर्ग की अरबपतियों की लिस्ट में तीसरे स्थान पर पहुंचा दिया है। इस लिस्ट में उन्होंने Google के को-फाउंडर सर्गेई ब्रिन और अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस को पीछे छोड़ दिया है। इस टेक दिग्गज ने फोर्ब्स की 'रियल-टाइम' अमीरों की लिस्ट में भी दूसरा स्थान हासिल किया है। इस लिस्ट में वे गूगल के लैरी पेज से आगे और केवल एलन मस्क से पीछे हैं।

Oracle ने 17.2 बिलियन डॉलर का रेवेन्यू दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में (YoY) 22 फीसदी ज्यादा है। इसमें क्लाउड सर्विस से प्राप्त 8.9 बिलियन डॉलर का रेवेन्यू भी शामिल है, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 44 फीसदी की वृद्धि हुई है। फोर्ब्स के अनुसार, कंपनी को ओपनएआई के चैटजीपीटी जैसे एडवांस AI मॉडल्स के लिए कंप्यूटिंग पॉवर्स प्रदान करने की दिशा में किए गए बदलावों का लाभ मिला है।

लैरी एलिसन की कुल संपत्ति कितनी है?

Investopedia के अनुसार, 1 जून को Oracle के शेयरों में 8 फीसदी का उछाल देखने को मिला। जिससे एलिसन की कुल संपत्ति बढ़कर 302 बिलियन डॉलर (+$21.4 बिलियन) हो गई। 3 जून तक के आंकड़ों के अनुसार, Bloomberg Billionaires Index (BBI) बताता है कि उनकी अनुमानित संपत्ति 299 बिलियन डॉलर है — जो पिछले वर्ष की तुलना में 51.9 बिलियन डॉलर अधिक है।

इसके अलावा, फोर्ब्स की 'रियल-टाइम' अरबपतियों की लिस्ट के आंकड़ों के अनुसार, एलिसन दूसरे स्थान पर हैं। इस सूची में वे लैरी पेज से आगे हैं और उनकी अनुमानित संपत्ति 296 बिलियन डॉलर है। गौरतलब है कि Oracle के चेयरमैन और सीटीओ की संपत्ति में 2025 में तब भारी उछाल आया, जब सितंबर में Oracle ने AI सेक्टर में बढ़ते उत्साह का लाभ उठाना शुरू किया।

उस महीने उनकी कुल संपत्ति 400 बिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर गई — जिससे वे Elon Musk (Tesla, SpaceX) के बाद इस मुकाम तक पहुंचने वाले केवल दूसरे व्यक्ति बन गए। फोर्ब्स की रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि मई में Oracle के शेयरों में हुई वृद्धि एलिसन के लिए एक सकारात्मक संकेत है, क्योंकि अप्रैल 2026 में उनकी कुल संपत्ति घटकर 195 बिलियन डॉलर (छठा स्थान) पर आ गई थी।

लैरी एलिसन कौन हैं?

Oracle के फाउंडर और पूर्व सीईओ (उन्होंने सितंबर 2014 में CEO पद छोड़ दिया था) वर्तमान में कंपनी के चेयरमैन और सीटीओ हैं। Bloomberg की प्रोफाइल के अनुसार, वे कंपनी के सबसे बड़े शेयर होल्डर भी हैं। अक्टूबर 2025 की फाइलिंग से पता चलता है कि ऑस्टिन (टेक्सास) स्थित इस कंपनी में उनकी 40 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी के 2022 के बयान के अनुसार, एलिसन के पास टेस्ला का लगभग 1.4 फीसदी हिस्सा भी है, लेकिन उसी साल उन्होंने इस ऑटोमेकर कंपनी के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया था।

कंपनी ने आगे बताया कि तब से इस EV कंपनी में उनकी हिस्सेदारी के बारे में कोई नई जानकारी सामने नहीं आई है। 81 साल के एलिसन के पास मीडिया की दिग्गज कंपनी 'पैरामाउंट स्काईडांस' का लगभग 50 फीसदी हिस्सा भी है। यह कंपनी अगस्त 2025 में पैरामाउंट और स्काईडांस के बीच हुए 28 अरब डॉलर के विलय (merger) से बनी थी।

शिकागो में पले-बढ़े एलिसन ने यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोइस एट अर्बाना-शैम्पेन में पढ़ाई की थी, लेकिन बीच में ही पढ़ाई छोड़कर वे बर्कले, कैलिफोर्निया चले गए। बीबी की रिपोर्ट के अनुसार, वहां उन्होंने एम्पेक्स (Ampex) में कंप्यूटर प्रोग्रामिंग की नौकरी कर ली। बाद में, 1977 में उन्होंने 'ओरेकल' (Oracle) की स्थापना की। यह कंपनी 12 मार्च 1986 को पब्लिक कंपनी बनी, जो कि माइक्रोसॉफ्ट के पब्लिक होने से ठीक एक दिन पहले की बात है।

यूएस कर रहा कानून का उल्लंघन?: ट्रंप की 'नार्को-टेररिस्ट' नीति पर सवाल, 207 लोगों की मौतों के बाद बढ़ी आलोचना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने पूर्वी प्रशांत महासागर में कथित तौर पर ड्रग्स की तस्करी कर रही एक नाव पर हमला किया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन लैटिन अमेरिका में कथित ड्रग तस्करों के खिलाफ कई महीनों से अभियान चला रहा है।

अमेरिकी दक्षिणी कमान के अनुसार, यह हमला उन समुद्री मार्गों पर किया गया जिन्हें ड्रग तस्करी के लिए इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि सेना ने यह साबित करने के लिए कोई सार्वजनिक सबूत पेश नहीं किया कि नाव वास्तव में मादक पदार्थ ले जा रही थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो में नाव को तेज रफ्तार से जाते हुए और फिर विस्फोट के साथ आग की लपटों में घिरते देखा गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर की शुरुआत से अमेरिका जिन लोगों को नार्को-टेररिस्ट बता रहा है, उनके खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों में अब तक कम से कम 207 लोगों की मौत हो चुकी है।

व्हाइट हाउस ने क्या सफाई दी?

व्हाइट हाउस ने दूसरी कार्रवाई की पुष्टि करते हुए कहा कि यह आत्मरक्षा के तहत की गई थी ताकि नाव पूरी तरह नष्ट हो सके और यह सशस्त्र संघर्ष के कानूनों के अनुरूप थी। हालांकि कई कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यदि हमले के समय लोग जीवित थे, तो उन पर दोबारा हमला करना किसी भी परिस्थिति में अवैध माना जा सकता है। इस बीच, पेंटागन के इंस्पेक्टर जनरल कार्यालय ने मई में घोषणा की थी कि वह जांच करेगा कि इन अभियानों के दौरान अमेरिकी सेना ने निर्धारित लक्ष्य-चयन प्रक्रिया का पालन किया था या नहीं। हालांकि यह जांच हमलों की कानूनी वैधता पर नहीं, बल्कि सैन्य प्रक्रियाओं के अनुपालन पर केंद्रित होगी।

राष्ट्रपति ट्रंप का इन अभियानों को लेकर क्या कहना है?

राष्ट्रपति ट्रंप का कहना है कि अमेरिका लैटिन अमेरिकी ड्रग कार्टेल के साथ सशस्त्र संघर्ष की स्थिति में है और ये हमले अमेरिका में ड्रग्स की तस्करी तथा ओवरडोज से होने वाली मौतों को रोकने के लिए जरूरी हैं। हालांकि प्रशासन पर यह आरोप लग रहा है कि उसने मारे गए लोगों के नार्को-टेररिस्ट होने के पर्याप्त प्रमाण सार्वजनिक नहीं किए हैं।

सैन्य कार्रवाईयों की वैधता पर उठ रहे सवाल

इन सैन्य कार्रवाइयों की वैधता और प्रभावशीलता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि अमेरिका में ओवरडोज का बड़ा कारण बनने वाला फेंटेनिल आमतौर पर मैक्सिको के रास्ते जमीन के जरिए पहुंचता है, जबकि उसका उत्पादन चीन और भारत से आने वाले रसायनों की मदद से किया जाता है। इस अभियान को लेकर कुछ डेमोक्रेट सांसदों और सैन्य कानून विशेषज्ञों ने भी चिंता जताई है। विशेष रूप से सितंबर में हुए पहले हमले को लेकर काफी विवाद हुआ था। उस हमले में नौ लोगों की मौत हो गई थी, जबकि दो लोग बच गए थे और नाव के मलबे का सहारा लेकर समुद्र में तैर रहे थे। बाद में नाव पर दोबारा हमला किया गया, जिसमें उन दोनों की भी मौत हो गई।

'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी पूरा हुआ' : मार्को रूबियो का दावा- खत्म हुआ ईरान युद्ध, अमेरिका ने हासिल किए अपने लक्ष्य

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने बुधवार को दावा किया कि ईरान के साथ युद्ध समाप्त हो चुका है, जबकि क्षेत्र में अब भी घातक हमले जारी हैं। हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के समक्ष रूबियो ने कहा कि हम अब ईरान के भीतर उसकी सैन्य क्षमता को कमजोर करने के लिए लगातार हमले नहीं कर रहे हैं, क्योंकि 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' खत्म हो चुका है।

अमेरिका और इस्राइल के इस युद्ध को वॉशिंगटन ने ₹ऑपरेशन एपिक फ्यूरी₹ नाम दिया था। 28 फरवरी को ईरान पर पहले हमले के बाद से यह संघर्ष पूरे पश्चिम एशिया में फैल गया। जवाबी कार्रवाई में ईरान ने क्षेत्र में अमेरिका के सहयोगी देशों को निशाना बनाया और खाड़ी के तेल और गैस परिवहन के प्रमुख मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य को प्रभावी रूप से बंद कर दिया।

रूबियो ने कहा कि अमेरिका ने अपने सभी सैन्य लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। उनके अनुसार, ईरान के रक्षा औद्योगिक ढांचे को नष्ट किया गया, उसके मिसाइल लॉन्चरों और ड्रोन भंडार को भारी नुकसान पहुंचाया गया, जबकि उसकी बची हुई वायुसेना और पारंपरिक नौसेना को भी खत्म कर दिया गया।

डेमोक्रेट सांसदों ने रूबियो के दावे का किया विरोध

हालांकि, डेमोक्रेट सांसदों ने रूबियो के इस दावे का विरोध किया और कहा कि संघर्ष अभी भी जारी है। बुधवार को ईरान ने कुवैत के हवाई अड्डे पर हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 63 लोग घायल हो गए। इसे संघर्ष में बड़ा उछाल माना जा रहा है। वहीं, बहरीन में भी रातभर ईरानी ड्रोन हमले हुए। बहरीन और कुवैत दोनों देशों में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी है।

कैलिफोर्निया से डेमोक्रेट सांसद सारा जैकब्स ने रूबियो से कहा कि आप ऑपरेशन का नाम बदल सकते हैं, लेकिन इससे यह तथ्य नहीं बदलता कि होर्मुज जलडमरूमध्य अब भी बंद है और हमारे सैनिक अब भी खतरे में हैं।

रूबियो ने ईरान के साथ चल रही बातचीत के बारे में क्या बताया? सुनवाई के दौरान रूबियो ने ईरान के साथ चल रही वार्ताओं की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बातचीत का केंद्र ईरान के उच्च स्तर तक संवर्धित यूरेनियम का भंडार है और तेहरान ने अभी तक किसी शांति समझौते पर सहमति नहीं दी है।

अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने लगभग हथियार-स्तर के संवर्धित यूरेनियम को सौंप दे, अपने परमाणु कार्यक्रम पर नियंत्रण स्वीकार करे और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोल दे। रूबियो ने कहा कि इन मुद्दों पर दस्तावेजों का आदान-प्रदान हुआ है, लेकिन बुधवार सुबह तक ईरानी पक्ष से अंतिम मंजूरी नहीं मिली थी।

दूसरी ओर, ईरान का कहना है कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम पर गंभीर बातचीत शुरू करने से पहले 12 अरब डॉलर की जमी हुई संपत्तियों को जारी किए जाने की मांग करता है। ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस टिप्पणी को भी खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान के संवर्धित यूरेनियम के भंडार को अंततः नष्ट कर दिया जाएगा।

अमेरिकी संसद में राष्ट्रपति की सेहत पर विवाद, रूबियो ने आरोपों को किया खारिज

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सेहत और कार्यक्षमता को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। बुधवार को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) की विदेश मामलों की समिति की सुनवाई के दौरान विदेश मंत्री मार्को रूबियो और डेमोक्रेट सांसद टेड लियू के बीच तीखी बहस देखने को मिली। सुनवाई के दौरान टेड लियू ने कई वीडियो क्लिप दिखाते हुए दावा किया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आधिकारिक बैठकों के दौरान सोते हुए दिखाई दे रहे थे। उन्होंने एक कैबिनेट बैठक का वीडियो दिखाया, जिसमें ट्रंप की आंखें बंद और सिर झुका हुआ नजर आ रहा था, जबकि उनके बगल में बैठे मार्को रूबियो बोल रहे थे। लियू ने रूबियो से पूछा कि क्या उन्होंने कभी ट्रंप को सरकारी बैठकों के दौरान सोते हुए देखा है।

पाकिस्तान के भाईजान को भारत ने नहीं दिया भाव, अब संबंध सुधारने की कोशिशें कर रहा तुर्किये

सिंगापुर, एजेंसी। कश्मीर से लेकर ऑपरेशन सिंदूर के मामले तक तुर्किये हर मौके पर पाकिस्तान के साथ खड़ा नजर आया है। इसके चलते भारत के साथ तुर्किये के संबंध बिगड़े हैं। हालांकि, तुर्किये के रुख में कोई खास बदलाव नजर नहीं आया है, लेकिन अब वह भारत से संबंधों को सुधारने की कोशिश में जुटा है। तुर्किये ने कहा कि हम इकलौते देश नहीं हैं, जिसके पाकिस्तान के साथ अच्छे और भाईचारे के संबंध हैं, दुनिया में ऐसे संबंधों वाले अन्य देश भी हैं।

सिंगापुर में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रैटजिक स्टडीज (आईआईएसएस) के कार्यक्रम में बुधवार (तीन जून) को तुर्किये के विदेश मंत्री हकान फिदान ने भारत आग्रह किया कि वे अंकारा और नई दिल्ली के संबंधों को पाकिस्तान को

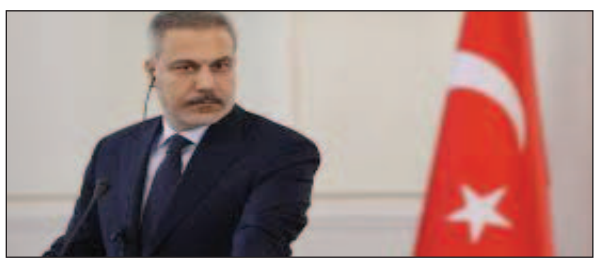

सामने रखते हुए न देखे। वहीं, उन्होंने पाकिस्तान के साथ तुर्किये के संबंधों के बचाव में भी दलीलें दीं।

भारत के संबंधों को सुधारने की दिशा में कदम

हकान फिदान ने इस बात पर जोर दिया कि तुर्किये के पास भारत के साथ अच्छे संबंध रखने की पर्याप्त वजह हैं। फिदान ने कहा कि भारत के साथ तुर्की का कोई भी द्विपक्षीय विवाद नहीं है। भारत के साथ हमारा कोई बुरा इतिहास नहीं है।

उन्होंने कहा, "कुछ मुद्दों पर रूस के साथ, कुछ मुद्दों पर अमेरिका के साथ, कुछ मुद्दों पर कुछ यूरोपीय देशों के साथ हमारे मतभेद हैं, लेकिन हम एक नकारात्मक मुद्दे को अलग करके सकारात्मक एजेंडा पर आगे बढ़ सकते हैं। मेरा मानना है कि तुर्किये और भारत के बीच भी यही होना चाहिए।"

तुर्किये के विदेश मंत्री की ये दलीलें ऐसे समय में सामने आई हैं, जब ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अंकारा की ओर से पाकिस्तान की खुलकर मदद करने की बात जगजाहिर हो चुकी है। तुर्किये ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को आत्मघाती ड्रोन इहा की बड़ी खेप दी थी। इतना ही नहीं, संयुक्त राष्ट्र से लेकर कई सार्वजनिक मंचों पर तुर्किये की ओर से पाकिस्तान की तरह ही कश्मीर राग अलापा गया है।

भारत ने कैसे दिया सख्त जवाब?

गौरतलब है कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के समर्थन में खुलकर उतरने के बाद भारत के साथ तुर्किये के संबंध ठंडे बस्ते में ही रहे हैं। भारतीय अधिकारियों ने पिछले साल राजधानी में आयोजित तुर्किये के राष्ट्रीय दिवस समारोह में भाग नहीं लिया, जिससे अंकारा के प्रति नई दिल्ली की नाराजगी स्पष्ट होती है। हालांकि, अप्रैल 2026 में दोनों देशों ने 12वीं विदेश कार्यालय परामर्श बैठक (एफओसी) आयोजित की, जिससे संबंधों में संभावित सुधार का संकेत मिला।

भारत-तुर्किये के बीच तनाव के चलते नई दिल्ली ने साइप्रस के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। साइप्रस का तुर्किये के साथ 1974 से ही क्षेत्रीय विवाद चला आ रहा है। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहली अंतरराष्ट्रीय यात्रा साइप्रस की थी। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स भी पिछले महीने नई दिल्ली आए थे और इस दौरान उनका भव्य स्वागत किया गया था।

जनता का अटल विश्वास बने पीएम मोदी, दुनिया में बुलंद हुई भारत की आवाज

मुंबई, एजेंसी। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री पद के कार्यकाल की तपपूर्ति होने में कुछ दिन ही बाकी थे, कि दो उल्लेखनीय घटनाएं हुईं। एक स्वीडन के प्रतिष्ठित रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार से सम्मानित करना और दूसरी नॉर्वे के रॉयल नॉर्वेजियन ऑर्डर ऑफ मेरिट पुरस्कार से नवाजा जाना। पिछले 12 वर्षों के उनके अंतरराष्ट्रीय सम्मान की संख्या लगभग 32 है। दुनिया के तकरीबन 20 देशों ने उन्हें अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया है। यह सम्मान पीएम मोदी का तो है ही, साथ-साथ इस देश की 140 करोड़ जनता का भी है। पिछले लगातार तीन चुनावों में भारत की जनता ने नरेंद्र मोदी पर अटल विश्वास बनाए रखा है। साथ में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उनके नेतृत्व पर मुहर लगी है। वर्ष 2014 में राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में जब पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, तब नवभारत का उदय हुआ। उनके नेतृत्व में भारत की विश्व में आवाज बुलंद हुई है। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के एक घटक के रूप में शिवसेना ने हमेशा पीएम मोदी का साथ दिया। अपवाद सिर्फ उस समय का रहा, जब तत्कालीन पार्टी का नेतृत्व शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे के विचारों से भटक गया था और उन्होंने अनैतिक रास्ता चुन लिया था। लेकिन हम शिवसैनिकों ने जून 2022 में इस अनैतिकता को छोड़कर फिर से उनका साथ दिया।

कौशल को बढ़ावाः पीएम मोदी ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से शिक्षा क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन लाना आरंभ किया। विद्यार्थियों को कौशल आधारित शिक्षा, मातृभाषा को प्राथमिकता और वैश्विक स्तर की शिक्षा प्रदान करने के दृष्टिकोण की नीति का स्वीकार किया। महिलाओं को सक्षम बनायाः महिलाओं के सक्षमीकरण के लिए भी अहम निर्णय लिए। सैन्यसेवा में अधिक अवसर प्रदान करने, 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान' जैसे उपक्रमों से महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने जैसी गतिविधियों को नई ऊर्जा दी। संसद में महिला आरक्षण का विधेयक प्रस्तुत करने को लेकर सिर्फ भाष्य नहीं किया, बल्कि प्रत्यक्ष कृति भी की। हालांकि विपक्षी विचारों ने इस विधेयक को मंजूर नहीं होने दिया।

किसानों के दोस्त...पी एम किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों को सीधे आर्थिक मदद दी। सीधे लाभ की वजह से भ्रष्टाचार पर नियंत्रण रहा। अब तक करोड़ों किसानों के खाते में सीधे पैसे जमा हुए हैं। इसके अलावा उन्होंने सीमावर्ती इलाकों में बुनियादी सुविधाओं में बड़ा निवेश कर राष्ट्रीय सुरक्षा को नई शक्ति दी। रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर भारत' पर जोर देकर भारत को शस्त्र निर्माण में भी सक्षम बनाने का काम उन्होंने किया।

कोरोना में दिखाई मानवीयताः कोरोना के दिनों में जब पूरे विश्व में बिखराव की स्थिति थी, मोदी ने समर्थता से देश को राहत पहुंचाई। गरीबों के खाने-पीने का ध्यान रखा। मुफ्त टीकाकरण किया। इसके अलावा, औषध निर्माण के क्षेत्र में भारत को एक सक्षम विकल्प के रूप में विश्व के समक्ष प्रस्तुत किया और अनेक देशों को टीका उपलब्ध करवाया। यह सिर्फ विदेशी नीति नहीं बल्कि भारत के मानवतावादी संस्कार की विश्व को हुई एक नई पहचान है।

बड़ा सपनाः देश को विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत का बड़ा सपना दिखाया। इसे साकार करने का मार्ग बताने के साथ-साथ इसे पूरा करने की दिशा में नींव रखी। देश अब डिजिटल हो रहा है। भारत दुनिया में सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। महिलाओं के लिए प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, उद्योगिनी योजना, लखपति दीदी योजना, उज्ज्वला योजना सफलतापूर्वक चलाई गई। युवाओं के लिए 'प्रधानमंत्री रोजगार निर्माण कार्यक्रम', 'स्टार्ट अप इंडिया' अभियान चलाया। उद्योग-व्यवसाय में सुलभता के लिए आत्मनिर्भर भारत पैकेज देने के साथ-साथ 'पीएम गतिशक्ति' और 'राष्ट्रीय औद्योगिक कॉरिडोर' जैसा महत्त्वाकांक्षी कार्यक्रम भी शुरू किया।

टीएमसी में फूट के बीच बंगाल में भाजपा का प्रदर्शन, संदीपन साहा के खिलाफ मार्च निकाला

कोलकात, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में टीएमसी के 58 विधायकों की बगावत के बाद से राज्य में बड़ी सियासी उथल-पुथल मची हुई है। इस बीच भाजपा ने बागी विधायकों का नेतृत्व करने वालों में से एक टीएमसी नेता संदीपन साहा के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया। भाजपा नेता प्रियंका टिबरेवाल ने संदीपन साहा और उनके पिता पर लोगों की भूमि हड़पने और वसूली के आरोप लगाए।

प्रदर्शनकारियों द्वारा संदीपन साहा और उनके पिता की तस्वीरों वाले दो गधों को साथ लाने से विरोध ने सबका ध्यान खींचा। टिबरेवाल ने कहा कि यह प्रतीकात्मक इशारा दोनों नेताओं द्वारा आम लोगों के शोषण को उजागर करने के लिए था।

भाजपा ने गधों से की संदीपन साहा की तुलना

प्रियंका टिबरेवाल ने कहा, 'जनता द्वारा लाए गए ये गधे यह दिखाने के लिए हैं कि तृणमूल में दो गधे थे, संदीपन साहा और स्वर्ण कमल साहा। उन गधों ने जनता का पैसा लूटा है। अब उन्हें जवाब देना चाहिए कि उन्होंने क्यों लूटा।' भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि पिता-पुत्र की जोड़ी ने आम नागरिकों की जबरन जमीनें कब्जाईं और वसूली की गतिविधियों में शामिल रहे। इन आरोपों पर संदीप न साहा या टीएमसी की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

टीएमसी में सियासी उथल-पुथल पर क्या बोलीं टिबरेवाल?

टिबरेवाल ने तृणमूल कांग्रेस में पार्टी विधायकों के एक वर्ग द्वारा बगावत के बाद चल रही राजनीतिक उथल-पुथल पर भी टिप्पणी की। उन्होंने निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्जी के पक्ष में एमएलए के एक नए समूह के उभरने पर कहा, 'ऐसा होना ही था। जहां एक पार्टी चोरों को लेकर बनती है, वहां ऐसा ही होगा।' उनकी टिप्पणियां टीएमसी के गहरे आंतरिक संकट के बीच आईं, जहां 58 विधायकों का समर्थन करने वाला एक विद्रोही गुट विधानसभा अध्यक्ष रथींद्र बोस से मान्यता की मांग कर रहा है। इस समूह ने ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष और संदीपन साहा को मुख्य सचेतक प्रस्तावित किया है, जो दल-बदल विरोधी प्रावधानों के तहत औपचारिक विभाजन का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

अभिषेक बनर्जी पर भी साधा निशाना

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा 15 जून की पेशी के लिए जारी समन पर टिबरेवाल ने कहा, 'जिन लोगों ने चोरी की है, उन्हें जनता को जवाब देना होगा।' उन्होंने पूर्व टीएमसी विधायक शौकत मोल्ला पर बम विस्फोट मामले के संबंध में हाल ही में हुई राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की छापेमारी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'इन लोगों ने वहां ऐसा माहौल फैलाया था। अब जब भाजपा की सरकार बन गई है, तो यह सब नहीं चलेगा।'

टीएमसी ने भंग की सभी समितियां

इस बीच टीएमसी ने पश्चिम बंगाल में अपनी सभी समितियों और अग्रिम संगठनों को भंग कर दिया है, जिसका कारण चुनावी हार के बाद एक व्यापक संगठनात्मक समीक्षा और पुनर्गठन अभ्यास बताया गया है।

मंत्री तापस रॉय ने एनआईए की कार्रवाई पर क्या कहा?

पश्चिम बंगाल के मंत्री तापस रॉय ने टीएमसी के पूर्व विधायक शौकत मोल्ला के खिलाफ एनआईए की कार्रवाई का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि किसी भी मामले से जुड़े व्यक्ति को जांच में सहयोग करना और एजेंसी द्वारा बुलाए जाने पर उसके समक्ष पेश होना जरूरी है। एनआईए की एक टीम ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के भांगर के दक्षिण बामुनिया क्षेत्र में टीएमसी नेता शौकत मोल्ला के आवास पर तलाशी और पूछताछ अभियान चलाया। यह कार्रवाई पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से कुछ दिन पहले हुए बम विस्फोट की जांच से जुड़ी है, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।

श्रेयस तलपड़े और विजय राज की मनोवैज्ञानिक थ्रिलर करतम भुगतम का टीजर हुआ रिलीज, 17 मई को 5 भाषाओं में होगी रिलीज

श्रेयस तलपड़े और विजय राज की आगामी मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म कर्तम भुगतम का दमदार टीजर जारी हो चुका है। यह फिल्म कर्म और भाग्य की रोमांचक यात्रा पर ले जाएगी। दिलचस्प टीजर एक ऐसी दुनिया की झलक पेश करता है, जहां मानव मनोविज्ञान ज्योतिष के रहस्यों से टकराता है। कर्तम भुगतम कर्म के जटिल जाल में उतरता है, इस शाश्वत सत्य की खोज करता है कि कर्मों के परिणाम होते हैं।

टीजर एक ऐसी कहानी की ओर इशारा करता है, जो सदियों पुरानी सच्चाई की पड़ताल करती है, हर कार्य का एक परिणाम होता है। टीजर में पात्रों के जीवन की झलकियां, गहरे रहस्यों और छिपी हुई प्रेरणाओं की ओर इशारा किया गया है। टीजर में विजय राज कर्म और उसके फल के बारे में बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो होना है वो होकर रहेगा। जन्म, मृत्यु सब लिखी होती है, जो किया वो कर्म है, जो कर रहा है, वो धर्म है और जो होगा, वो कर्तम भुगतम।

ज्योतिष और कर्म के प्राचीन सार्वभौमिक सत्यों को जोड़ते हुए फिल्म यह बताने की कोशिश करेगी कि कैसे हर काम के कुछ निश्चित परिणाम होते हैं, जैसी कि सदियों पुरानी हिंदी कहावत है कि जैसा करोगे, वैसा भरोगे। काल और लक जैसी फिल्में बना चुके सोहम ने इस फिल्म का निर्देशन किया है। श्रेयस के अलावा फिल्म में विजय राज, मधु और अक्षा परदासानी जैसे प्रतिभाशाली कलाकार भी दिखेंगे। मेकर्स का दावा है कि कर्तम भुगतम एक ऐसी साइकोलॉजिकल थ्रिलर है, जो दर्शकों को शुरू से अंत तक अपनी सीटों से बांधे रखेगी।

यह फिल्म 17 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म का निर्माण गांधार फिल्म्स एंड स्टूडियो प्राइवेट की ओर से किया गया है। इस फिल्म को पूरे भारत में हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्देशक सोहम पी. शाह ने कहा कहा था कि कर्तम भुगतम एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर है, जो कर्म की जटिल कार्यप्रणाली से संबंधित है। हमारी फिल्म ज्योतिष और मानव भाग्य के बीच गहरे संबंध की बात करती है। वहीं श्रेयस भी फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं।

दीपिका पादुकोण ने सिंघम अगेन के सेट पर कलाकारों के साथ दिए पोज, एक्ट्रेस को दिया खास तोहफा

बी टाउन एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण, जो इस साल के अंत में पति रणवीर सिंह के साथ अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहीं हैं। बता दें कि इन दिनों वो फिल्म 'सिंघम अगेन' की शूटिंग में बिजी हैं। इस फिल्म से दीपिका ने रोहित शेट्टी द्वारा बनाई गई पुलिस जगत में कदम रखा है और वह शक्ति शेट्टी के किरदार में नजर आएंगी। अब हाल ही में, फिल्म के सेट पर कुछ सह-कलाकारों के साथ दीपिका की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं है। उन्हें उनसे स्केच के रूप में एक सरप्राइज गिफ्ट भी मिला।

हाल ही में, आगामी फिल्म सिंघम अगेन के एक कलाकार ने इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण के साथ एक प्यारी तस्वीर शेयर की। फोटो में दीपिका दो लड़कियों के साथ सेल्फी लेती नजर आईं, जो उनके कॉस्ट्यूम में सजी हुई थीं। दीपिका ने अपनी नेचुरल ब्यूटी को दिखाते हुए नो-मेकअप लुक में नजर आने वाला लुक दिया था। पोस्ट में एक स्केच की झलक भी थी, जिसे लड़कियों ने दीपिका को उपहार में दिया था। पोस्ट के साथ, कलाकार ने कैप्शन में अपनी भावनाओं को कलमबद्ध किया। उन्होंने दीपिका के प्रति अपने लगाव का खुलासा किया और उनके साथ काम करने के अनुभव पर भी चर्चा की।

कैप्शन में लिखा, दीपिका पादुकोण द ओनली लेडी सिंघम। आपसे मिलकर खुशी हुई मैम। मेरे जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक। आपके साथ काम करने के लिए बहुत भाग्यशाली महसूस किया। आज भी याद है जब आप मुझे देखकर मुस्कुराए थे और जिस तरह से आपने स्केच देखने के बाद सराहना की और खुश हो गए। मैं प्रार्थना करता हूं कि हम भविष्य में कई बार मिलें। हमारी तरफ से ढेर सारा प्यार!! हमेशा और हमेशा के लिए मैम। लव लव।

इससे पहले रोहित शेट्टी ने फिल्म सिंघम अगेन से अपने किरदार में दीपिका पादुकोण का दमदार लुक जारी किया था। पुलिस की वर्दी में दीपिका को अजय देवगन के प्रतिष्ठित सिंघम पोज पर प्रहार करते हुए देखा गया। रोहित ने कहा, मेरा हीरो, रील में भी और रियल में भी लेडी सिंघम!! दीपिका पादुकोण। बता दें कि 'सिंघम अगेन' रोहित शेट्टी की पुलिस यूनिवर्स की पांचवीं किस्त है। फिल्म में अजय देवगन, करीना कपूर खान, दीपिका पादुकोण, टाइगर श्रॉफ और अर्जुन कपूर जैसे सितारे प्रमुख भूमिकाओं में हैं। रणवीर सिंह और अक्षय कुमार कैमियो अपीयरेंस देने के लिए तैयार हैं।

बॉक्स ऑफिस पर आयुष शर्मा की रुसलान ने तोड़ा दम, छठे दिन का कारोबार रहा सबसे कम

सलमान खान के बहनोई आयुष शर्मा की लेटेस्ट फिल्म रुस्लान को सिनेमाघरों में रिलीज हुए अब एक हफ्ता पूरा होने वाला है। ये एक्शन थ्रिलर रिलीज के पहले दिन से बॉक्स ऑफिस पर चुनौतियों का सामना कर रही है। फिल्म ने बेहद खराब शुरुआत की थी और इसके बाद ये टिकट काउंटर पर अपनी पकड़ नहीं बनाई पाई।चलिए यहां जानते हैं फिल्म ने रिलीज के 6ठे दिन यानी बुधवार को कितना कलेक्शन किया है?

रुस्लान काफी प्रमोशन के बाद सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। लग रहा था कि ये फिल्म आयुष शर्मा के करियर को नई दिशा देगी। हालांकि हुआ इसका उल्टा, दरअसल बड़े पर्दे पर दस्तक देने के बाद इस फिल्म को दर्शकों से बेहद ठंडा रिस्पॉन्स मिला। ये फिल्म रिलीज के पहले दिन से ही सिनेमाघरों में ऑडियंस के लिए तरसती हुई नजर आई और ये सिलसिला अब तक बरकरार है। फिल्म काफी मुश्किल से लाखों में कलेक्शन कर रही है।

फिल्म की कमाई की बात करें तो रुस्लान ने अपने शुरुआती दिन में 60 लाख रुपये की कमाई की थी। इसके बाद फिल्म ने वीकेंड पर कुछ तेजी दिखाई और शनिवार और रविवार को क्रमशः 80 लाख रुपये और 90 लाख रुपये की कमाई की। हालांकि चौथे दिन यानी सोमवार को फिल्म की कमाई में 55.56 फीसदी की गिरावट आई और इसने महज 40 लाख रुपये का कारोबार किया। इसेक बाद मंगलवार यानी पांचवें दिन फिल्म ने 37.50 फीसदी की तेजी के साथ 55 करोड़ कमाए। वहीं अब रुस्लान की रिलीज के छठे दिन यानी बुधवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं

सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक रुस्लान ने रिलीज के छठे दिन यानी बुधवार को 43 लाख की कमाई की है। इसी के साथ रुस्लान का 6 दिनों का कुल कलेक्शन अब 3.68 करोड़ रुपये हो गया है।

रुस्लान को रिलीज हुए एक हफ्ता होने जा रहा है। फिल्म रेंग-रेंग कर चंद लाख की कमाई कर रही है। वहीं फिल्म की रफ्तार देखते हुए रुस्लान का पहले हफ्ते में 5 करोड़ की कमाई करना नामुमकिन लग रहा है। फिल्म की हालत इतनी बुरी है कि लग रहा है कि ये जल्द ही बड़े पर्दे से उतर जाएगी।

बता दें कि करण एल बुटानी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में आयुष शर्मा के अलावा सुश्री मिश्रा, विद्या मालवडे, सांगे त्शेल्ट्रिम, जगपति बाबू और मनीष गहरवार ने भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं निभाई हैं, रुस्लान का निर्माण केके राधामोहन की श्री सत्य साईं आर्ट्स के तहत किया गया है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालयः S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्कः 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com